RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:221 ता. 27 फरवरी 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जेल भी जाना पड़े तो परवाह नहीं-सिसोदिया

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कथित शराब घोटाले में सीबीआई के समक्ष पेश होने से पहले कहा कि वह भगत सिंह के अनुयायी हैं इसलिए कुछ महीने जेल में भी रहना पड़े तो परवाह नहीं है।

श्री सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा, आज फिर सीबीआई जा रहा हूँ, सारी जाँच में पूरा सहयोग करूँगा। लाखों बच्चो का प्यार व करोड़ो देशवासियो का आशीर्वाद साथ है। कुछ महीने जेल में भी रहना पड़े तो परवाह नहीं। भगत सिंह के अनुयायी हैं। देश के लिए भगत सिंह फाँसी पर चढ़ गए थे। ऐसे झूठे आरोपों की वजह से जेल जाना तो छोटी सी चीज़ है।''

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, भगवान आपके साथ है मनीष। लाखों बच्चों और उनके अभिभावकों की दुआयें आपके साथ हैं। जब आप देश और समाज के लिए जेल जाते हैं तो जेल जाना दूषण नहीं, भूषण होता है। प्रभू से कामना करता हूँ कि आप जल्द जेल से लौटें। दिल्ली के बच्चे, अभिभावक और हम सब आपका इंतज़ार करेंगे।

उन्होंने कहा, जिस देश में गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने वाले और उन बच्चों का भविष्य बनाने वाले जेल में हों और अरबों का घोटाला करने वाले प्रधानमंत्री के जिगरी दोस्त हों, वो देश कैसे तरक़्क़ी कर सकता है।''

दिल्?ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्?ट किया जा रहा है। उन्?होंने एक ट्वीट में कहा कि सिसोदिया की गिरफ्तारी के लिए मोदी जी की पुलिस मुस्तैदी के साथ तैनात है।

आम आदमी पार्टी ने ट्वीट कर कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज अरविंद केजरीवाल से डर लग रहा है इसलिए वह मनीष सिसोदिया को गिरफ़्तार करने की तैयारी कर रहें हैं।

भाजपा की पुलिस द्वारा हमारे पार्षदों-विधायकों को डिटेन किया जा रहा है।हम देश के लिए एक बार नहीं, हज़ार बार गिरफ़्तारी देंगे।''

मन की बात में पीएम मोदी बोले- 'समाज की शक्ति से देश की शक्ति बढ़ती हैं'

नई दिल्ली। पीएम मोदी आज मन की बात के 98वें एपिसोड को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा 'मन की बात' को आप सभी ने जनभागीदारी की अभिव्यक्ति का अद्भुत प्लेटफॉर्म बना दिया है।

मन की बात कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर 'मन की बात' में हमने 3 प्रतियोगिता की बात की थी। ये प्रतियोगिताएं देशभक्ति पर गीत, लोरी और रंगोली पर आधारित थी। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि देशभर के 700 से अधिक जिलों के 5 लाख से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया है।

पीएम मोदी ने किया लता मंगेशकर और उस्ताद बिस्मिल्लाह का जिक्र

इस दौरान पीएम मोदी ने लता मंगेशकर और उस्ताद बिस्मिल्लाह का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा आज के इस अवसर पर मुझे लता मंगेश्कर की याद आना स्वभाविक है, क्योंकि जब ये प्रतियोगिता प्रारंभ हुई थी। उस दिन लता दीदी ने ट्वीट कर देशवासियों से आग्रह किया था कि वे इस स्पर्धा में जरूर जुड़ें।

इसी के साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार दिए गए। ये पुरस्कार संगीत और कला प्रदर्शन के क्षेत्र में उभर रहे प्रतिभाशाली कलाकारों को दिए जाते हैं। ये कला और संगीत की लोकप्रियता बढ़ाने के साथ ही इसकी समृद्धि में अपना योगदान दे रहे हैं।

समाज की शक्ति से देश की शक्ति बढ़ती है-पीएम मोदी ने मन की बात के दौरान कहा कि समाज की शक्ति से कैसे देश की शक्ति बढ़ती है ये हमने मन की बात के अलग-अलग एपिसोड में देखा है। पीएम ने कहा मुझे वो दिन याद है, जब हमने मन की बात में भारत के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन की बात की थी। उस समय देश में एक लहर सी उठ गई, भारतीय खेलों के जुड़ने की, इनमें रमने की, सीखने की।

भारत की डिजिटल क्रांति की शक्ति है ई-संजीवनी एप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा देश के सामान्य मानवी, मध्यम वर्ग और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वालों के लिए ई-संजीवनी जीवन रक्षा करने वाला एप बन रहा है। ये भारत की डिजिटल क्रांति की शक्ति है। इस एप का उपयोग करके अब तक टेली परामर्श करने वालों की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। आप कल्पना कर सकते हैं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 करोड़ परामर्श, मरीज और डॉक्टर के साथ अद्भुत नाता, ये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

भारत के PI की तरफ आकर्षित हो रहे कई देश- पीएम मोदी

मन की बात के 98वें एपिसोड के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा भारत के PI की ताकत भी आप जानते ही हैं। दुनिया के कितने ही देश, इसकी तरफ आकर्षित हैं। कुछ दिन पहले ही भारत और सिंगापुर के बीच UPI-Pay Now Link launch किया गया। अब दोनों देशों में लोग आसानी से पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। ये तकनीकें जीवन को आसान बना रही हैं।

कश्मीर में एक और टारगेट किलिंग, पुलवामा में कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग की एक और घटना हुई है। सुआतंकवादियों ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान संजय शर्मा के रूप में हुई है, जो दक्षिण कश्मीर जिले के अचन इलाके में अपने गांव में एक सशस्त्र गार्ड के रूप में काम करते थे। गोली लगने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने ट्वीट कर कहा, आतंकवादियों ने स्थानीय बाजार के रास्ते में संजय शर्मा फर पुलवामा पर गोलीबारी की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। वह गांव में ही एक सशस्त्र गार्ड थे। अधिकारियों ने कहा कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है।

ओडिशा सरकार ने सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाने का दिया आदेश, कुत्ते प्रेमियों ने की आलोचना

भुवनेश्वर। हैदराबाद में चार साल के बच्चे को सड़क पर आवारा कुत्तों ने नोंच-नोंचकर मार डाला था। इस घटना के बाद अब ओडिशा सरकार ने भी सड़कों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया है।

सरकार के इस आदेश के बाद से समाज में बहस का मुद्दा छिड़ गया है। आपको जानकर हैरान होगी लेकिन ओडिशा में 17 लाख से अधिक आवारा कुत्ते है, जो देश में दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। पशुधन गणना 2019 के अनुसार, ओडिशा में 17,34,399 आवारा कुत्ते हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में देश में सबसे अधिक 20,59,261 आवारा कुत्ते हैं।

आवारा कुत्तों की बढ़ रही संख्या

ओडिशा में स्ट्रीट डॉग्स की संख्या 2012 में 8,62,520 से बढ़कर 2019 में 17,34,339 हो गई है। आंकड़े बताते हैं कि पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम ओडिशा में विफल होने के बाद से आवारा कुत्तों को नियंत्रित करना राज्य के सामने एक बड़ी चुनौती बन गई है। ओडिशा के पशु संसाधन विकास मंत्री रणेंद्र प्रताप स्वैन ने हाल ही में सभी मुख्य जिला पशु चिकित्सा अधिकारियों को सतर्क रहने और आवारा कुत्तों को केंद्र से हटाने के लिए कहा था। इस निर्देश का कई लोगों ने स्वागत किया है।

कुत्ते प्रेमियों ने की ये मांग

ओडिशा के पशु संसाधन विकास मंत्री का ये निर्देश कुत्ता प्रेमियों को काफी खटक रहा है। उन्होंने इस आदेश को वापस लेने की मांग की है। ओडिया कॉमेडियन राजू दास ने कहा, यात्रियों को विशेष रूप से रात में सड़कों पर कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन हम उन्हें मार नहीं सकते है। उनका सही तरीके से पुनर्वास किया जाना चाहिए।

पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया की कैंपेन मैनेजर राधिका सूर्यवंशी ने कहा, इसका समाधान कुत्तों की केवल नसबंदी है। बता दें कि भुवनेश्वर नगर निगम ने एक निजी एजेंसी की मदद से शहर में पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को तेज करने का फैसला किया है। नगरपालिका प्राधिकरण ने पालतू पशुओं के लिए नियम-कायदों को लागू करने का भी निर्णय लिया है।

डेनमार्क के क्राउन प्रिंस और प्रिंसेस भारत की यात्रा पर पहुंचे

नई दिल्ली। डेनमार्क के क्राउन प्रिंस फ्रेडरिक आंद्रे हेनरिक क्रिश्चियन और क्राउन प्रिंसेस मैरी एलिजाबेथ चार दिवसीय यात्रा के लिए भारत पहुंच गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रविवार सुबह ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा है दो दशक में डेनमार्क से यह पहली रॉयल यात्रा है। यह भारत और डेनमार्क के बीच के संबंधों को और मजबूत करेगा।

इस ट्वीट में बागची ने डेनमार्क के क्राउन प्रिंस फ्रेडरिक आंद्रे हेनरिक क्रिश्चियन और क्राउन प्रिंसेस मैरी एलिजाबेथ का फोटो भी संलग्न किया है।

चिराग-कुशवाहा के बाद अब सहनी, बिहार में आसान नहीं नीतीश की राह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने एक दिवसीय बिहार दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला किया। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अब नीतीश कुमार के लिए भारतीय जनता पार्टी के दरवाजे सदा के लिए बंद हो गए हैं। बीजेपी के चाणक्य के इस बयान से पहले भगवा पार्टी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए से अपनी राह जुदा करने वाले चिराग पासवान भी हाल में संपन्न हुए उपचुनावों में बीजेपी से अपनी नजदीकी को उजागर कर दिया। इन जगहों पर उन्होंने बीजेपी कैंडिडेट के पक्ष में प्रचार भी किया। चिराग पासवान के बाद कुशवाहा नेता उपेंद्र कुशवाह ने बीजेपी के पक्ष में बिहार में बैटिंग करनी शुरू कर दी है। जेडीयू से अपना संबंध तोड़ने के बाद वह भी भगवा पार्टी की भाषा बोलने लगे हैं। इतना ही नहीं, नई पार्टी बनाने वाले कुशवाहा से बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय

जायसवाल ने मुलाकात भी की है। ऐसा माना जा रहा है कि पहले लोकसभा चुनाव और फिर 2025 के विधानसभा चुनाव में वह बीजेपी के साथ मिलकर चुनावी अखाड़े में कूद सकते हैं। वहीं, मुकेश सहनी का साथ मिलने से बिहार में बड़े पैमाने पर मल्लाह जाति को पाले में करने की भी तैयारी चल रही है।

मोदी के हनुमान चिराग-चूंकि बिहार की राजनीति में जाति सदैव हावी रही है। यहां ध्रुवीकरण की कोशिश कभी सफल नहीं रही है। ऐसे में बीजेपी की नई रणनीति को समझने के लिए हमें इन जातियों की सियासी ताकत के बारे में जानना जरूरी है। सबसे पहले बात चिराग पासवान की, जो कि अपने पिता रामविलास पासवान की विरासत को संभालने की कोशिश करते दिख रहे हैं। रामविलास को बिहार की दुसाध जाति का कद्दावर नेता माना जाता है। इनकी संख्या 4 से 4.50 प्रतिशत के करीब है। यह जाति लड़ाकू और दबंग किस्म की रही है। इनका अभी तक पलायन नहीं हुआ है।

चिराग ही संभालेंगे पिता की विरासत-चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस के बागी तेवर के कारण भले ही लोजपा को दो फाड़ हो गया, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि पिता की विरासत चिराग पासवान के पास ही जाएगी। भारतीय राजनीति में अभी तक ऐसा ही होता आ रहा है। अखिलेश और शिवपाल यादव की लड़ाई इसका

सावरकर सम्मान के मोहताज नहीं, वे तो हैं ही भारत रत्न-देवेन्द्र फडणवीस

इंदौर। महाराष्ट्र से बाहर बसे मराठी भाषियों की संस्था बृहन्महाराष्ट्र मंडल के 71वें अधिवेशन के दूसरे दिन शनिवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इंदौर पहुंचे तो मराठी भाषियों ने एक स्वर में 'वीर सावरकर यांना भारत रत्न मिळायलाच पाहिजे (वीर सावरकर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए) के नारे लगाए। इस पर फडणवीस ने कहा कि 'वीर सावरकर सम्मान के मोहताज नहीं हैं। उनको भारत रत्न मिले या न मिले, वे तो भारत रत्न ही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पहले ही केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज चुकी है कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया जाए, लेकिन अभी इसकी घोषणा होना बाकी है।' दरअसल, इंदौर के राऊ स्थित एमरल्ड हाइट्स स्कूल में जारी बृहन्महाराष्ट्र मंडल के तीन दिवसीय अधिवेशन का आयोजन हो रहा है। इस बार अधिवेशन में सावरकर को भारत रत्न देने की मांग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा मंडल के लिए पृथक से बजट पारित करने और महाराष्ट्र से बाहर रह रहे मराठी भाषियों को नेतृत्व करने का अवसर दिलाने जैसे विषयों को मुख्य रूप से शामिल किया गया है। शनिवार को आयोजन में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री फडणवीस भी शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी उपस्थित थे। विकास के लिए आवश्यक है स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा का संवर्धन

फडणवीस ने कहा कि अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि विकास के लिए आवश्यक है स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा

का संवर्धन। 2025 में दिल्ली में होने वाले बृहन्महाराष्ट्र मंडल के आयोजन के सुचारू संचालन के लिए महाराष्ट्र सरकार हर संभव प्रयास करेगी। संस्था का यह शताब्दी समारोह किसी भवन में नहीं बल्कि स्टेडियम में होगा, जहां 50 हजार मराठी भाषी एकत्रित होंगे। यह जिम्मेदारी भी महाराष्ट्र सरकार निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह शहर देवी अहिल्याबाई होलकर का है। जिन्होंने मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य किया था। उनके बाद उनके कार्य को यदि किसी और ने आगे बढ़ाया है तो वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। उन्होंने देश की संस्कृति के संवर्धन के लिए कार्य किया है।

विघटनकारी को सुधारने की जिम्मेदारी समाज की-भय्याजी जोशी

अधिवेशन में शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह भय्याजी जोशी भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर प्रदेश की अपनी विशेषता है। महाराष्ट्र संतों की भूमि रही और यहां गोपालकृष्ण गोखले, वीर सावरकर सहित कई देशभक्त हुए। महाराष्ट्र कला और संस्कृति का भी धनी है। हमें अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। समाज में सभी तरह के लोग होते हैं। कुछ समाज के हित में कार्य करते हैं और कुछ समाज का अहित करते हैं। हमें अहित करने वालों को सुधारना होगा। हमारी संस्कृति 'शत्रु बुद्धि विनाशाय' की बात कहती है इसलिए हमें शत्रु भाव को सुधारना होगा। समाज का कार्य कुरीतियों को रोकना है और उदारता का संदेश दुनिया तक पहुंचाना है।

पुलवामा में एक और कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या

पुलवामा । जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों ने रविवार को एक कश्मीरी पंडित युवक की हत्या कर दी। आतंकी हमले में मारे गए कश्मीरी पंडित की पहचान दक्षिण कश्मीर में स्थित पुलवामा जिले के अचन इलाके के निवासी संजय शर्मा के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने 40 वर्षीय संजय शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। कश्मीर जोन की पुलिस ने ट्विटर पर लिखा आतंकवादियों ने पुलवामा में अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित अचन निवासी काशीनाथ शर्मा के बेटे संजय शर्मा पर गोली चला दी। इस घटना के समय वह स्थानीय बाजार जा रहे थे। गोली लगने के बाद संजय शर्मा को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। संजय अचन निवासी काशीनाथ पंडित के बेटे थे। उन पर आतंकियों ने रविवार सुबह गोलियां बरसाई। संजय बैंक में सुरक्षा गार्ड थे। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव पैदा हो गया है। पुलिस ने बताया उनके गांव में सशस्त्र बल की तैनाती की गई है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है।

चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे डेनमार्क के शहजादे फेडरिक आंद्रे हेनरिक क्रिश्चियन

नई दिल्ली । डेनमार्क के शहजादे फेडरिक आंद्रे हेनरिक क्रिश्चियन और शहजादी मैरी एलिजाबेथ रविवार को चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। पिछले दो दशकों में डेनमार्क के शाही परिवार के किसी सदस्य की यह पहली भारत यात्रा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के निमंत्रण पर भारत के दौरे पर आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया कि उनकी यात्रा दोनों देशों के बीच घनिष्ठ व मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत बनाएगी। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन, पर्यावरण मंत्री मैगनस हेउनिके और जलवायु, ऊर्जा मंत्री लार्स आगार्ड भी शाही दंपति के साथ आए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार यात्रा के दौरान शाही जोड़ा उपराष्ट्रपति से मिलेगा और वे सीआईआई द्वारा आयोजित 'भारत-डेनमार्क- हरित एवं सतत विकास के भागीदार' कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि भारत और डेनमार्क जीवंत और मुक्त लोकतांत्रिक देशों के रूप में नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था से जुड़े सामान्य मूल्यों और महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मुद्दों पर साझा विचार रखते हैं। इस यात्रा से भारत और डेनमार्क के बीच घनिष्ठ व मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

जुनैद-नासिर हत्याकांड को लेकर नूंह ने सांप्रदायिक तनाव की आशंका, प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं की बंद

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में सांप्रदायिक तनाव बढ़ने और शांति भंग होने की आशंका के मद्देनजर रविवार को अगले तीन दिन के लिए मोबाइल इंटरनेट एवं एसएमएस सेवा निलंबित करने का आदेश दिया। सरकार ने यह निर्देश कथित तौर पर 'गोरक्षकों' द्वारा राजस्थान के दो युवकों का अपहरण कर उनकी हत्या के खिलाफ और प्रदर्शनों के आह्वान के बाद उठाया। आधिकारिक आदेशके मुताबिक, पाबंदी '' 26 फरवरी से 28 फरवरी 2023 की रात 11 बजकर 59 मिनट तक जारी रहेगी।'' सूत्रों ने बताया कि नूंह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जहां गत शुक्रवार को सैकड़ों लोगों ने फिरोजपुर झिरका में नूंह-अलवर राजमार्ग को बाधित कर दिया था। प्रदर्शनकारी राजस्थान के भरतपुर से दो युवकों का अपहरण कर हरियाणा के भिवानी में लाकर हत्या करने और उनके शवों को जलाने के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। आदेश में कहा गया है, ''हरियाणा सरकार ने मोबाइल इंटरनेट सेवा (2जी/3जी/4जी/सीडीएमए/जीपीआरएस), एक साथ थोक में एसएमएस भेजने सहित एसएमएस सेवा(बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और वॉइस कॉल को छोड़कर सभी डोंगल सेवाओं को तत्काल प्रभाव से नूंह में निलंबित करने का आदेश दिया है।'' पाबंदी के लिए '' संभावित सांप्रदायिक तनाव और शांति व्यवस्था के भंग होने की आशंका का हवाला दिया गया है। '' आदेश में कहा गया है कि अस्थायी तौर पर इंटरनेट सेवा को भ्रामक जानकारी और अफवाह को फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सऐप सहित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के जरिये फैलने से रोकने के लिए निलंबित किया गया है।

राजधानी दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में 33 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

– समय से पूर्व ही हो जाएगी गर्मी और लू की शुरुआत

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में फरवरी के महीने में ही तापमान 33 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम में तेजी से आए इस बदलाव से अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस साल समय से पूर्व ही गर्मी और लू की शुरुआत हो जाएगी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में फरवरी के महीने में ही तापमान में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि गर्मी जल्दी आ गई है। दिल्ली में 15 फरवरी से पहले की गर्मी ने कई साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी भारत के कई राज्यों में सामान्य से ज्यादा तापमान दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस साल 15 मार्च से पहले ही लू का असर देखने को मिल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मार्च के पहले हफ्ते में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आने वाले दिनों में दिल्ली, यूपी, मध्य प्रदेश और राजस्थान के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश का अनुमान जरूर जताया है। एक और पश्चिमी विक्षोभ जो अपेक्षाकृत अधिक मजबूत होगा वो 28 फरवरी को पश्चिमी हिमालय की पहाड़ियों तक पहुंच सकता है, जिसके असर से 26 से 28 फरवरी के बीच पश्चिमी हिमालय, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में हल्की बारिश और हिमपात की संभावना है।

जोशीमठ में दरारों के बाद अब बद्रीनाथ हाईवे पर फूटा जलस्रोत

–शुरू होने वाली है चारधाम यात्रा

जोशीमठ। चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले ही उत्तराखंड के चमोली जिले में ग्रामीणों की टेंशन एक बार फिर बढ़ गई है। जोशीमठ में घरों और भवनों में दरारों के बाद अब जलस्रोत फूटने लगे हैं। बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर रविवार सुबह भुस वडियार के निकट अचानक पानी के स्रोत फूटने से लोगों में एक बार डर बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी 3 जनवरी को जेपी बिजली कंपनी के परिसर में भी एक पानी का बड़ा जलस्रोत फूटा था, जो काफी समय बाद ठीक हुआ था। लगातार हो रही पानी रिसाव से ग्रामीण दहशत में थे। जोशीमठ नगर से गुजरने वाले बद्रीनाथ नरसिंह मंदिर नेशनल हाईवे में सुबह अचानक भारी पानी निकलने के कारण लोगों में तीन घंटे से अधिक अफरा-तफरी रही। एसडीएम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जांच के बाद एसडीएम का कहना था कि यहां पर सड़क काफी क्षतिग्रस्त हुई है। लगातार धंसती हुई सड़क की वजह से बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बताया कि सुरक्षा को देखते हुए बड़े वाहनों की आवाजाही मुख्य बाजार से की जाएगी , जबकि हल्के वाहन यहां पर पुलिस की निगरानी में चलते रहेंगे। जोशीमठ की उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी ने बताया कि दोपहर लगभग 12.30 बजे जल संस्थान के कुछ पानी के टैंकों को बंद करवाया गया, जिसके बाद पानी का रिसाव रुक गया है। उन्होंने कहा कि संभवत जल संस्थान का कोई टैंक या पानी की लाइन लीक होने के कारण यह पानी का जलस्रोत फूटा था। जोशीमठ के पास बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर करीब 10 और बड़ी दरारें आने की खबर है। राजमार्ग बद्रीनाथ के धार्मिक शहर से जुड़ता है, जो गढ़वाल हिमालय में सबसे अधिक देखे जाने वाले तीर्थ स्थलों में से एक है। जोशीमठ के पास बद्रीनाथ राजमार्ग पर कम से कम 10 स्थानों पर नई दरारें आई हैं। मकान व खेतों के बाद अब बदरीनाथ नेशनल हाईवे में दरारें दिनो दिन बढ़ती जा रही है। सड़क में दरारों के साथ कुछ दिनों से भारी गड्ढे भी होने लगे हैं। नगर के कुछ जगहों में बदरीनाथ हाईवे हल्का धंसने भी लगा है। चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले दरारों ने चिंता बढ़ा दी है। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 22 अप्रैल से शुरू हो रही है। भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर मेष लग्न में खोले जाएंगे।

कभी लचर कानून व्यवस्था के लिए जाना जाने वाला उत्तर प्रदेश अब तेजी से तरक्की कर रहा: मोदी

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि एक समय था जब उत्तर प्रदेश माफियाओं और ध्वस्त कानून व्यवस्था की वजह से जाना जाता था, लेकिन आज इसकी पहचान बेहतर कानून व्यवस्था और तेज गति से विकास की ओर अग्रसर राज्य के रूप में होती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है।

उत्तर प्रदेश में चयनित 9,055 पुलिस उप निरीक्षकों, प्रादेशिक सशस्त्र बल (पीएसी) के प्लाटून कमांडर और अग्निशमन अधिकारियों को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बांटे जा रहे नियुक्ति पत्र समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कहा, ''एक समय था जब उत्तर प्रदेश माफियाओं और ध्वस्त कानून व्यवस्था की वजह से जाना जाता था, लेकिन आज इसकी पहचान बेहतर कानून व्यवस्था और तेजी से विकास कर रहे राज्य के रूप में होती है।''

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड किया हुआ वीडियो संदेश सुनाया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना एवं अन्य ने हिस्सा लिया। मोदी ने कहा कि यह अवसर 9,000 से अधिक परिवारों के चेहरे पर खुशी लेकर आया है और कहा कि इस नयी भर्ती से राज्य पुलिस बल और मजबूत होगा। मोदी ने कहा, ''मुझे बताया गया कि 2017 से जब से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आयी है, अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में डेढ़ लाख से ज्यादा नयी नियुक्तियां हुई हैं। यानी भाजपा के शासन में रोजगार और सुरक्षा दोनों में बढ़ोतरी हुई है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम सब जानते हैं कि जहां भी कानून o?यवस्था मजबूत होती है, वहां रोजगार की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जहां सुरक्षित माहौल बनता है, निवेश बढ़ने लगता है।''

मोदी ने कहा, ''इन दिनों रोजगार मेला मेरे लिए एक विशेष कार्यक्रम बन गया है। कई महीनों से मैं देख रहा हूं कि हर सप्ताह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित किसी न किसी राज्य में रोजगार मेले हो रहे हैं। हजारों नौजवानों को रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मुझे उसमें साक्षी बनने का अवसर मिल रहा है।'' प्रधानमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामना देते हुए कहा, ''आज जिन्हें नियुक्ति पत्र मिला है, उन्हें एक बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि आपके जीवन में नयी जिम्मेदारी, नयी चुनौतियां, नये अवसर आने वाले हैं, रोज नया अवसर आपके लिए इंतजार कर रहा है।''

उन्होंने कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से उत्तर प्रदेश के सांसद के तौर पर कह रहा हूं, भले आपको नियुक्ति पत्र मिला है, आपके नये जीवन की शुरुआत हुई है, लेकिन अपने भीतर के विद्यार्थी को कभी मरने मत देना। हर पल नया सीखना। क्षमता बढ़ाना है।'' उत्तर प्रदेश में वाराणसी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले मोदी ने ऑनलाइन शिक्षा के साधनों का जिक्र करते हुए कहा कि अब तो ऑनलाइन शिक्षा के काफी साधन उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आपके प्रगति के लिए जरूरी है कि अपने जीवन को रुकने मत दीजिए। जीवन भी नयी ऊंचाइयों को पार करता चलें, इसलिए योग्यता को बढ़ाना है।

दे भारत ट्रेन पर पथराव, दो खिड़कियों के शीशे टूटे

– बेंगलुरु डिवीजन में जनवरी में पथराव के 21 और फरवरी में 13 मामले दर्ज

बेंगलुरु। मैसूर-चैन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में कुछ शरारती तत्वों ने पथराव किया जिससे इसकी खिड़की के शीशे टूट गए। इस बात की जानकारी दक्षिण-पश्चिम रेलवे की ओर से दी गई है। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अधिकारी इस बात की जांच करने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ये पथराव किसने किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैसूर-चेन्नई वंदे भारत को पिछले साल 11 नवंबर को हरी झंडी दिखाई थी। यह एक्सप्रेस ट्रेन सप्ताह के छह दिन चलती है। यह चेन्नई सेंट्रल से सुबह 5:50 बजे निकलती है और दोपहर 12:30 बजे मैसूर पहुंचती है। इसके बीच में यह बेंगलुरु के केएसआर स्टेशन पर रुकती है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल के मालदा में हावड़ा जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया गया था। यह घटना 2 जनवरी को हुई थी। ठीक इसके एक दिन बाद दार्जिलिंग से वंदे भारत ट्रेन पर पथराव का मामला सामने आया था। वहीं 20 जनवरी को भी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव का मामला सामने आया था, यह एक्सप्रेस ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा जा रही थी। इस पर बिहार के कटिहार जिला के शरारती तत्वों ने पथराव किया था। हाल ही में ट्रेनों पर पथराव की लगातार घटनाएं हुई हैं।

नीतीश ने किया लालू से गुप्त समझौता कर तेजस्वी को कुर्सी सौंपने का वादा: अमित शाह

– बिहार दौरे मे शाह ने 2024 का चुनावी शंखनाद करते हुए महागठबंधन सरकार पर तीखे हमले किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गत दिवस बिहार दौरे पर थे। इस दौरान उनके तेवर बदले हुए नजर आ रहे थे। लौरिया से पटना तक भाजपा के चाणक्य काफी आक्रामक अंदाज में दिखे। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव से अधिक गत दिवस बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुनाया। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की छवि को धूमिल करना चाहते हैं, जो कि बीजेपी के विजय रथ को रोकने के लिए विपक्षी एकता की कोशिश में लगे हैं। अमित शाह ने इसके लिए कथित जंगलराज का सहारा लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या फिर अमित शाह, दोनों ही गत दिवस की रैली से पहले तक नीतीश कुमार पर सीधा हमला करने से परहेज किया करते थे। इसका सबसे बड़ा कारण उनकी छवि है। हालांकि, बार-बार गठबंधन तोड़ने के कारण इसे नुकसान पहुंचा है। यही कारण है कि कल चंपारण से पटना तक अमित शाह ने नीतीश पर जुबानी आक्रमण का एक भी मौका नहीं छोड़ा। इतना ही नहीं, 2024 की लड़ाई जीतने के लिए बीजेपी की नजर बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बेतिया के लौरिया स्थित साहू जैन हाई स्कूल मैदान में आयोजित जनसभा में 2024 का चुनावी शंखनाद करते हुए बिहार की महागठबंधन सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि यह तेल व पानी का गठबंधन है। इसमें जदयू पानी और राजद तेल है। अमित शाह ने कहा कि लालटेन से धधक उठ रही है। इससे पूरा राज्य धधक रहा है। बिहार की जनता 2024 में लालटेन की लौ बुझा देगी। गृहमंत्री ने तंज कसा कि नीतीश ने लालू प्रसाद यादव से गुप्त समझौते के तहत तेजस्वी को कुर्सी सौंपने का वादा किया है। हर दूसरे दिन राजद के लोग उनसे कुर्सी सौंपने की तारीख पूछ रहे हैं, लेकिन वे नहीं बताते। उन्हें राजनीति में पारदर्शिता रखते हुए तेजस्वी को कुर्सी सौंपने की तारीख बता देनी चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि अब नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं।

अमित शाह ने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार को हर तीन साल पर प्रधानमंत्री बनने का सपना आता है। पीएम पद के लिए वे विकासवादी से अवसरवादी हो गए। पिछले चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन वे उसी राजद व कांग्रेस की गोद में बैठ गए, जिनके खिलाफ वे लड़ाई लड़ रहे थे। पटना में किसान-मजदूर समागम में गृह मंत्री ने कहा कि देश की दो लाख पंचायतों में डेयरी समूह बनना है। बिहार में डेयरी की भरपूर संभावना है। उन्होंने तंज कसा कि बिहार में जिस चारा चरने वाले के साथ नीतीश कुमार चले गए, उनके साथ रहकर वे डेयरी का काम कैसे कर सकते हैं। खेती-किसानी का वे भला नहीं कर सकते। जीवनभर कांग्रेस और जातिवादी राजनीति की मुखालफत करने वाले नीतीश कुमार आज लालू-सोनिया की शरण में हैं।

राम और श्याम की जोड़ी हैं भाजपा और असदुद्दीन ओवैसी : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना उद्धव (बालासाहेब) गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि भाजपा और असदुद्दीन ओवैसी राम और श्याम की जोड़ी है। संजय राउत का यह बयान असदुद्दीन ओवैसी के राम-श्याम की जोड़ी वाले बयान के बाद आया है। इसके जरिए राहुत ने ओवैसी पर पलटवार किया है।

संजय राउत ने बताया कि भाजपा और ओवैसी एक ही टीम है। उन्होंने कहा कि जहां भी भारतीय जनता पार्टी को जीतना होता है वहीं पर अद्दुद्दीन ओवैसी पहुंच जाते है। ओवैसी पार्टी की पूरी मदद करते हैं कि उन्हें जीत मिल सके।

संजय राउत ने कहा कि लोगों को भी दिखने लगा है कि दोनों ही साथ मिलकर काम करते है। ओवैसी की पार्टी भाजपा की अन्य पार्टी है। जहां तक राम श्याम की बात है तो काम करने के तरीके से भाजपा और ओवैसी ही राम श्याम की जोड़ी में अधिक फिट बैठते दिखते है।

बता दें कि महाराष्ट्र के मुंबई में एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने जनसभा को संबोधित किया था। यहां उन्होंने उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे को राम और श्याम की जोड़ी बताया था। उन्होंने कहा था पुणे में चुनाव है। मैं शरद पवार से पूछूंगा की दरगाह के दरवाजे पर पटाखे फोड़ने की घटना पर कोई साल क्यों नहीं किया गया। इस मामले पर ये सवाल नहीं करेंगे क्योंकि हिंदुओं के वोट इन्हें नहीं मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि ओवैसी ने महाराष्ट्र में मुसलमानों को आरक्षण दिए जाने के फैसला का समर्थन किया था।

सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं लेंगी सोनिया गांधी, आगे भी देती रहेंगी पार्टी को मार्गदर्शन : अलका लांबा

रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस प्रवक्ता अलका लांबा ने रविवार को स्पष्ट किया कि सोनिया गांधी सक्रिय राजनीति से सेवानिवृत्त नहीं हुई हैं। वह अपना आशीर्वाद और मार्गदर्शन पार्टी को आगे भी देती रहेंगी। अलका लांबा ने कांग्रेस अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा मुझे सोनिया जी के साथ दो मिनट बात करने का मौका मिला। उनकी भावुकतापूर्ण टिप्पणी को राजनीति से संन्यास लेने के अर्थ में समझा गया। लेकिन यह सच नहीं है। उन्होंने साफ कहा है कि वह आगे भी काम करना जारी रखेंगी। भविष्य में उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन पार्टी को प्राप्त होता रहेगा।

अलका लांबा ने कहा कि यह प्रतिनिधियों और देश को सूचित करना है कि सोनिया गांधी राजनीति से संन्यास नहीं ले रही हैं। सोनिया गांधी ने रायपुर में पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था 2004 और 2009 में हमारी जीत के साथ-साथ डॉ मनमोहन सिंह के सक्षम नेतृत्व ने मुझे व्यक्तिगत संतुष्टि दी, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मेरी पारी भारत जोड़ो यात्रा के साथ समाप्त हुई। उन्होंने कहा यह यात्रा कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में आई है। उन्होंने कहा इससे साबित हो गया है कि भारत के लोग सद्भाव, सहिष्णुता और समानता चाहते हैं।

सोनिया गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा था, इस यात्रा ने जन संपर्क कार्यक्रम के माध्यम से हमारी पार्टी और जनता के बीच संवाद की समृद्ध विरासत को नवीनीकृत किया है। इसने हमें दिखाया है कि कांग्रेस लोगों के साथ खड़ी है और उनके लिए लड़ने के लिए तैयार है। सोनिया गांधी ने सभी नेताओं और देश के लोगों को यात्रा में भाग लेने और प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा मैं विशेष रूप से राहुल जी को धन्यवाद देती हूं, जिनके दृढ़ संकल्प और नेतृत्व ने यात्रा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब बनाने की दिशा में हो रहा काम, जल्द दिखेगा असर : भगवंत मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में खालिस्तान समर्थकों के गुंडागर्दी और हंगामे पर आलोचनाओं पर मुख्यमंत्री भगवंत मान घिरे हुए है। यहां संदिग्ध खालिस्तान समर्थक संगठन 'वारिस पंजाब डे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह और पंजाब पुलिस के समर्थकों के बीच अजनाला में हुई झड़प के बाद से ही लगातार भगवंत मान पर निशाना साधा जा रहा है। इसी बीच 26 फरवरी को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि सरकार पंजाब के 3 करोड़ के लिए शांति और सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। आने वाले 6-7 महीनों में भारत में जनता और राज्य के विकास की शान दिखेगी।'

भ्रष्टाचार पर किया प्रहार

उन्होंने कहा कि उनकी ऐसी एकमात्र सरकार है जिसने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि 75 साल में पहली बार किसी पार्टी ने अपने ही दो मंत्रियों और एक विधायक के खिलाफ भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भरोसा दिलाया कि भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब के तहत भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब के तहत विभिन्न पार्टियों के नेताओं के भ्रष्टाचार के पुराने मामलों की भी जांच की जा रही है और उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मुख्यमंत्री का ये बयान खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के हजारों समर्थकों ने लवप्रीत सिंह तूफान की गिरफ्तारी के विरोध किए गए प्रदर्शन के बाद आया है। इससे पहले गुरुवार को हाथों में तलवारें और बंदूकें लिए समर्थकों ने अजनाला थाने के बाहर लगे पुलिस बैरिकेड्स को तोड़ दिया था।

खालिस्तानी समर्थकों को मिल रही मदद

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि खालिस्तान समर्थकों को पाकिस्तान और अन्य देशों से आर्थिक मदद मिल रही है। मान का यह बयान खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और उसके सहयोगियों की हालिया गतिविधियों की पृष्ठभूमि में आया है। एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने गुजरात पहुंचे मान ने खालिस्तानी तत्वों से निपटने के लिए किसी ठोस रणनीति का खुलासा किये बिना कहा कि पंजाब पुलिस इस मुद्दे से निपटने में सक्षम है और केवल कुछ ही लोग पंजाब में खालिस्तान-समर्थक आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं। सिंह प्रकरण के बाद राज्य में लगे खालिस्तान समर्थक नारों के बारे में पूछे जाने पर मान ने कहा, 'क्या आपको लगता है कि 1,000 लोग (जिन्हें खालिस्तान समर्थक नारे लगाते देखा गया है) पूरे पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं? आप पंजाब आइए और खुद देखिए कि कौन ऐसे नारे लगा रहे हैं?' गुजरात के भावनगर शहर में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वह एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

भूकंप से दहली गुजरात की धरती, 4.3 की रही रिक्टर स्केल पर तीव्रता

नई दिल्ली। गुजरात में 26 फरवरी की दोपहर 3.21 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप के झटकों के बाद लोगों में दहशत का माहौल फैल गया है। इस भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई है। इससे पहले गुजरात के अरमेली में भी भूकंप के झटके महसूस हुए थे। गुजरात की धरती रविवार 26 फरवरी को भूकंप के झटकों से दहल गई। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई है। भूकंप का केंद्र गुजरात का राजकोट था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर मापी गई है। भूकंप के कारण किसी तरह की हताहत की सूचना नहीं है। इस भूकंप की जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की तरफ से भी दी गई है।

उद्धव ठाकरे ने सीएम पद से इस्तीफा देकर की थी गलती !

– उद्धव की गलती शिवसेना पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में बन गया मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (ठाकरे) बनाम शिवसेना (शिंदे) मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से उद्धव ठाकरे का शक्ति परीक्षण से पहले इस्तीफा देना सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण बिन्दु बन सकता है। महाराष्ट्र के राजनैतिक संकट की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ कर रही है। उद्धव ठाकरे ने विधानसभा में शक्ति परीक्षण से एक दिन पूर्व 29 जून 2022 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ ने इस मुद्दे को सुनवाई के दौरान कई बार उठाया है। ठाकरे गुट के वकीलों की दलील है कि नई सरकार इसलिए चुनी गई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने दो आदेश दिए थे। वकीलों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को अब यथास्थिति बहाल करनी चाहिए। इस पर बेंच ने पूछा कि तब क्या होता, यदि शक्ति परीक्षण सदन में हो गया होता।

सुप्रीम कोर्ट ने 29 जुलाई शक्तिपरीक्षण व विश्वास मत हासिल करने के राज्यपाल के आदेश को स्टे करने से मना कर दिया था, लेकिन, साथ में यह कहा था कि यह विश्वास मत सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं के परिणाम पर निर्भर करेगा। हालांकि, उद्धव ठाकरे ने इससे पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस मुद्दे पर जस्टिस एमआर शाह ने वकीलों से पूछा 29 जुलाई का आदेश बहुत स्पष्ट था कि 30 जुलाई को होने वाला फ्लोर टेस्ट याचिकाओं के फैसले पर निर्भर करेगा। इस स्थिति में (जब उद्धव ठाकरे शक्ति परीक्षण से पहले ही इस्तीफा दे चुके थे तो) अब यथा स्थिति बहाल करने का क्या मतलब है। आप इसे होने तो देते, लेकिन आपने पहले ही इस्तीफा देने का विकल्प चुना।

इस पर वकीलों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट तथ्यों का कोर्ट है। यहां तथ्य ही सुप्रीम हैं। यह पहले से ही स्पष्ट था कि 29 जुलाई को सदन में क्या होने वाला है। यह सही है कि तकनीकी शब्द विश्वास मत का प्रयोग हुआ था, लेकिन सदन में जिस परीक्षण की अनुमति दी गई थी, उसमें शिंदे गुट के 39 विधायक हमारे खिलाफ वोट देते तो यह अवश्यंभावी था। इस फजीहत से बचने का एक ही उपाय था कि हम मैदान छोड़ देते। हम वास्तविक दुनिया में हैं, वहां कोई गणित नहीं था, कोई विज्ञान नहीं था, कोई फिजिक्स नहीं था, जो 30 जुलाई को आने वाले इस नतीजे को बदल सकता था।

कोर्ट ने जब पूछा कि वे कोर्ट से क्या राहत मांगने की उम्मीद कर सकते हैं तो सिंघवी ने कहा कि प्रभावी राहत यही है कि यथा स्थिति को बरकरार किया जाए। शपथ ग्रहण की कार्यवाही गलत थी और कोर्ट यह कह सकता है कि इसे दोबारा किया जाए। यह शपथ को उलटने के जैसा होगा।

प्रक्रिया की शुद्धता के लिए उपाध्यक्ष को अयोग्यताओं की अर्जी का फैसला करने दिया जाए जो वह स्टे आदेश से पहले करते। उन्होंने कहा कि यदि न्यायिक आदेश में कुछ गलत हो गया है, जो कानून सम्मत नहीं है तो उससे पैदा होने वाले सभी प्रभाव और नतीजे खड़े नहीं रह पाएंगे। अब मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी।

पाकिस्तान ने वाहनों की आवाजाही के लिए अफगानिस्तान से लगी तोरखम सीमा खोली

पेशावर । पाकिस्तान ने वाहनों के आवागमन के लिए तोरखम सीमा को शनिवार को फिर से खोल दिया है। इसके साथ ही छह दिन से वहां फंसे 7,000 से अधिक ट्रकों को आवाजाही की अनुमति मिल गई है। तोरखम सीमा क्रॉसिंग मध्य एशियाई देशों से व्यापार के लिए पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने का आरोप लगाया था, जिसके चलते रविवार को अफगानिस्तान ने तोरखम सीमा बंद कर दी थी। इससे पहले, पाकिस्तान सरकार ने केवल पदयात्रियों के लिए तोरखम सीमा फिर से खोली थी, जबकि सब्जियों, कुक्कुट (पोल्ट्री) और अंडे जैसी खराब होने वाली वस्तुओं से लदे 7,000 से अधिक ट्रक फंसे हुए थे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान ज्वाइंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के निदेशक जियाउल हक सरहदी ने कहा पाकिस्तान की ओर से तोरखम सीमा खोल दी गई है और मालवाहकों समेत सभी वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। अफगानिस्तान ने गुरुवार को सीमा खोल दी थी लेकिन पाकिस्तान की ओर से यह बंद थी, जिसके चलते व्यापारियों और पाक-अफगान व्यापार के अन्य हितधारकों में चिंता पैदा हो गई थी।

पाकिस्तान में 3 वाहनों की टक्कर में 13 लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मुल्तान-सुक्कुर राजमार्ग पर तीन वाहनों के आपस में टकराने की घटना में 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 से अधिक व्यक्ति घायल हो गए हैं। हादसे के बाद रेस्क्यू में शामिल एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रहीम यार खान शहर के पास शुक्रवार की रात एक एसयूवी ने एक बस को टक्कर मार दी, जिसके कारण बस एक अन्य वैन से टकरा गई। उन्होंने बताया दुर्घटना के दौरान वैन का एक टायर फटने के कारण वह राजमार्ग पर पलट गई, जिससे कई लोगों की जान चली गई। पुलिस और बचाव दल घटना स्थल पर पहुंचा और मृतकों तथा घायलों को लाहौर से 500 किलोमीटर दूर स्थित रहीम यार खान शहर के शेख जायद अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में से पांच लोगों की हालत गंभीर है। पंजाब प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक जताया है।

इटली में नाव टूटने से बड़ा हादसा, समुद्र तट पर बहते मिले 30 शव

रोम । इटली में कालाब्रिया के दक्षिणी तट पर एक नाव के टूटने से बड़ा हादसा हो गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रविवार को बताया गया कि दक्षिणी इटली में एक समुद्र तट पर 30 लोगों के शव मिले हैं और सभी की डूबने से मौत होने की आशंका है। अधिकारियों को तट के पास शव बहते मिले हैं। राज्य रेडियो ने रविवार को बताया कि इटली के दक्षिणी तट पर एक प्रवासी नाव के टूटने के बाद इतालवी तट रक्षक ने लगभग 30 शवों को देखा है। कैलाब्रिया में क्रोटोन के तटीय शहर के पास अज्ञात बंदरगाह अधिकारियों ने बताया कि नाव में 100 से अधिक प्रवासियों को ले जा रहा था, जब यह आयोनियन समुद्र में डूब गया। जानकारी के अनुसार लगभग 40 लोग जीवित मिले हैं। बचाव दल के अधिकारी लुका कारी ने कहा कि जो बचाए गए हैं, उनमें से भी कई लोग घायल हैं। बचाव का प्रयास अभी भी जारी है। मीडिया के अनुसार बरामद शवों की संख्या 30 बताई और कहा कि मृतकों में कुछ महीने का एक बच्चा भी है। रेडियो रिपोर्ट में कहा गया है कि तट रक्षक, सीमा पुलिस और अग्निशामकों के नाव के बचाव के प्रयासों में शामिल थे। रिपोर्टों में प्रवासी कहां से आए थे, इसके बारे में विवरण नहीं मिला है। अधिकारियों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं था कि नाव कहां से निकली थी, लेकिन कैलाब्रिया में ज्यादातर आने वाले प्रवासी नाव तुर्की या मिस्र के तटों से प्रस्थान करते हैं।

युद्ध में यूक्रेन को हथियार दिए जाने के विरोध में बर्लिन में निकली रैली

-भारत यात्रा पर जर्मन चांसलर और बर्लिन की सड़कों पर वामपंथियों का मचा कोहराम

बर्लिन । जर्मनी की राजधानी बर्लिन में हजारों लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन लोगों की मांग है कि जर्मनी तत्काल यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई रोके। बताया जा रहा है कि करीब 10 हजार लोगों ने रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन को हथियार दिए जाने के विरोध में रैली निकाली है। इन लोगों की तादाद इतनी ज्यादा थी कि जर्मन सरकार के शीर्ष अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। दरअसल, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा आज समाप्त हो रही है। ऐसे में शीर्ष नेता की अनुपस्थिति में इतने बड़े विरोध प्रदर्शन में कानून व्यवस्था को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस विरोध प्रदर्शन को जर्मनी के एक वामपंथी नेता ने आयोजित किया था। विरोध के आयोजकों ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि हम जर्मन चांसलर से हथियारों की आपूर्ति में वृद्धि को रोकने के लिए निवेदन करते हैं, क्योंकि हर दिन एक हजार लोगों की जान जा रही है। यह हमें तीसरे विश्व युद्ध के करीब ला रहा है। मीडिया के अनुसार शांति के लिए विद्रोह नाम की इस रैली का आयोजन जर्मनी की वामपंथी डाई लिंके पार्टी के सदस्य सहरा वेगेनक्नेच ने किया था। जर्मनी, अमेरिका के साथ यूक्रेन के लिए हथियारों के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक रहा है। जर्मनी ने यूक्रेन को लैपर्ड-2 मुख्य युद्धक टैंक देने का ऐलान किया है। इस टैंक को जर्मनी ने विकसित किया है। बर्लिन में आयोजित प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर रखा था। इस पर लिखा था कि बातचीत करें, तनाव न बढ़ाएं। एक दूसरे प्रदर्शनकारी ने अपने हाथ में बैनर रखा था, उस पर लिखा था कि हमारा युद्ध नहीं है। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि मध्य बर्लिन में जर्मनी के प्रतीकात्मक ब्रांडेनबर्ग गेट के आसपास 10 हजार लोग जमा हो गए थे। उन्होंने बताया कि शांति कायम करने के लिए 1400 पुलिसकर्मियों को पूरे इलाके में तैनात किया गया था। पुलिस ने रैली के दौरान सैन्य वर्दी, रूसी और सोवियत झंडे, रूसी सैन्य गीतों और दक्षिणपंथी प्रतीकों पर प्रतिबंध की भी निगरानी की। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि इस रैली में दक्षिणपंथी समूहों के भाग लेने का कोई संकेत नहीं था। जर्मन वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर ने कहा कि इसका स्पष्ट रूप से विरोध होना चाहिए, हालांकि यह शांतिपूर्ण था। लिंडनर ने ट्विटर पर कहा कि जो कोई भी यूक्रेन के साथ खड़ा नहीं होता है, वह इतिहास के गलत पक्ष में है।

नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामाकंन प्रक्रिया शुरू, प्रचंड ने विपक्षी उम्मीदवार का किया समर्थन

काठमांडू । नेपाल में नौ मार्च को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए शनिवार को नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस चुनाव के बाद देश के राजनीतिक समीकरण में बदलाव होने के आसार है, क्योंकि प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने गठबंधन सरकार में साझेदार पार्टी के प्रत्याशी से किनारा कर विपक्षी नेपाली कांग्रेस के नेता रामचंद्र पौडयाल का इस शीर्ष पद के लिए समर्थन किया है। निर्वाचन आयोग केअधिकारियों के मुताबिक देश के शीर्ष संवैधानिक पद के लिए पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक निर्वाचन आयोग में नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकता है। पौडयाल (78) के निवर्तमान राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी का उत्तराधिकारी बनने की प्रबल संभावना है, क्योंकि आठ पार्टियों, नेपाली कांग्रेस, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन)-माओइस्ट सेंटर, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट, राष्ट्रीय जनता पार्टी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनमोर्चा, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी और जनमत पार्टी ने उनके पक्ष में मतदान करने का फैसला किया है। माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री 'प्रचंड' ने सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को झटका देते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर का राष्ट्रपति चुनने का फैसला किया है। राष्ट्रपति चुनाव में पार्टियों के रुख से 7 पार्टियों के सत्तारूढ़ गठबंधन के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल पैदा हो गए हैं। प्रधानमंत्री प्रचंड ने एक बैठक के दौरान नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार को नए राष्ट्रपति के लिए समर्थन करने का प्रस्ताव किया। उन्होंने तर्क दिया संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार का चुनाव देश में राष्ट्रीय सहमति बनाने के लिए आवश्यक है। बैठक में शामिल सभी पार्टियों ने प्रंचड के प्रस्ताव का समर्थन किया। नियमों के मुताबिक राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरने के दौरान किसी उम्मीदवार के लिए 5 संसद सदस्यों की प्रस्तावक के रूप में और इतने ही सदस्यों की आवश्यकता उम्मीदवारी के अनुमोदन के लिए होती है।

उत्तरी मैसीडोनिया में एक कार्निवल में अलग-अलग रुप धारण किये हुए कलाकार नजर आये।

भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता को सफल बनाने में हर संभव मदद देगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता को सफल बनाने में हर संभव मदद करेगा। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन समूह के विदेश मंत्रियों की अगले सप्ताह नयी दिल्ली में होने वाली अहम बैठक में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि ब्लिंकन दिल्ली में क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक में भी हिस्सा लेंगे, साथ ही वह अपने भारतीय समकक्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर से द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। ज्ञात हो भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी-20 समूह की अध्यक्षता संभाली है। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक एक मार्च से तीन मार्च तक नई दिल्ली की तीन-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। आर्थिक एवं कारोबारी मामलों के सहायक विदेश मंत्री रामिन टोलौई ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा भारत की जी-20 की अध्यक्षता वर्ष के तहत ब्लिंकन दिल्ली की यात्रा को लेकर आशान्वित हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता को सफल बनाने में हरसंभव मदद को लेकर हम काफी आशान्वित हैं। साझा चुनौतियों में कोई कमी नहीं है और इनके समाधान के लिए हम अन्य जी-20 सदस्य देशों के साथ अपनी भागीदारी प्रगाढ़ करना चाहते हैं। दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने कहा कि विदेश मंत्री नयी दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मार देंगें: अमीराली हाजीजादेह

- ईरान के रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स एरोस्पेस फोर्स का प्रमुख है अमीराली हाजीजादेह

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स एरोस्पेस फोर्स के प्रमुख अमीराली हाजीजादेह ने कहा है कि वे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मार देंगें, जो में जनवरी 2021 से पहले राष्ट्रपति पद पर थे। वैसे तो यह बयान बिलकुल नया नहीं हैं, लेकिन इस बार यह ऐसे समय पर आया है जब ईरान ने अपनी नई क्रूज मिसाइल विकसित कर ली है जिसकी रेंज 1650 किलोमीटर है ट्रम्प को मारने का इरादा उनके शासनकाल में लिए गए ईरान के खिलाफ लिए गए फैसले और 2020 में बगदाद मे ड्रोन हमले में मारे शीर्ष सैन्य कमांडर की मौत का बदला लेने के लिए है।

रूस यूक्रेन युद्ध के बाद बदले भूरजानैतिक समीकरणों ने ईरान को रूस को साथ ला दिया है. ऐसे में मिसाइल का विकास अमेरिका की टेंशन बढ़ा सकता है जबकि ईरान रूस को पहले ही अपने ड्रोन दे चुका है जिनकी वजह से यूक्रेन में काफी तबाही भी हुई है. वहीं रूस भी ईरान का काफी सैन्य सहायता देकर उसे मजबूती दे सकता है और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का असर कम कर सकता है। ईरान बार बार अपने शीर्ष सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने की बात कहता है जो इस बार फिर हाजीजादेह ने दोहराई है। हाजीजादेह ने कहा कि ईरान का इरादा बेचारे सैनिकों का मारने का नहीं था, जब उसने अमेरिका की अगुआई वाली सेना पर ईराक में हमला किया था। यह हमला 2020 सुलेमानी की मौत के बाद बैलेस्टिक मिसाइल से किया गया था।

हाजीजादेह ने मीडिया को दिए बयान में बताया कि उनकी नई क्रूज मिसाइल की रेंज 1650 किलोमीटर है और यह इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की हथियारों के जखिरे में शामिल कर ली गई है। शो में पावेह नाम की क्रूज मिसाइल की पहली फुटेज दिखाई गई थी। इसी टेलीविजन इंटरव्यू में हाजीजादेह ने ट्रम्प को मारने की बात भी दोहराई थी।

ईरान अमेरिका के संबंध कई दशकों से अच्छे नहीं चल रहे हैं। ट्रम्प शासनकाल से पहले पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए यूरोप-अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर डील कराई थी, जिसे ट्रम्प ने खत्म कर दिया था और ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इसके बाद सुलेमानी की हत्या ने हालात और खराब दिए, जिसके बाद ईरान ट्रम्प को इस सब के लिए जिम्मेदार मानता है। ट्रम्प के ईरान पर कठोर प्रतिबंध लगाने के बाद ही ईरान ने परमाणु बम बनाने पर काम तेज कर उसे बना भी लिया था और रूस यूक्रेन युद्ध में ईरान ने रूस को अपने खतरनाक ड्रोन भी दिए थे। इतना ही नहीं, हाल ही में ईरान ने रूस से समझौता किया है, जिससे अब रूस में ही ऐसे ड्रोन भारी संख्या में निर्मित हो सकेंगे, इससे अमेरिका की चिंताएं बहुत बढ़ गई हैं।

तालिबान ने कहा टीटीपी आतंकियों को वापस लेने को तैयार, पर उनके पुनर्वास का खर्च पाक सरकार उठाए

वाशिंगटन (एजेंसी) इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबान की अगुवाई वाली सरकार ने पहली बार पाकिस्तान के सामने प्रस्ताव रखा है कि हथियार डालने के बाद पाक-अफगान सीमावर्ती क्षेत्र से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के सदस्यों और उनके परिवारों के पुनर्वास का खर्च पाकिस्तान उठाए तो उन्हें वापस लिया जा सकता है और इस तरह पाकिस्तान में आतंकी हमले रुक जाएंगे।

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई 'नेशनल एपेक्स कमिटी की बैठक में यह खुलासा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अफगान तालिबान ने कहा वह प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान के आतंकवादियों से हथियार वापस लेने तथा उन्हें एवं उनके परिवार के सदस्यों को सीमापार से दूसरे स्थान पर ले जाने को तैयार है, लेकिन वह चाहता है कि पाकिस्तान इस प्रस्तावित पुनर्वास का खर्च उठाए। 'नेशनल एपेक्स कमिटी की इस बैठक में राजनीतिक एवं सैन्य प्रतिष्ठान के शीर्ष अधिकारियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया।

इस बैठक से पहले पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम ने पड़ोसी देश में टीटीपी की मौजूदगी के बारे में अफगानिस्तान तालिबान शासन के सामने 'अकाट्य सबूत पेश करने के लिए काबुल में उसके (अफगानिस्तान तालिबान) शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की थी। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के प्रस्ताव में टीटीपी सदस्यों से हथियार वापस लेना और पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा से अन्य स्थान पर उन्हें एवं उनके परिवार को ले जाना शामिल है। अफगानिस्तान सरकार ने पाकिस्तान से टीटीपी सदस्यों के पुनर्वास का खर्च उठाने को कहा है। 'नेशनल एपेक्स कमिटी की बैठक में यह भी बताया गया है अफगान तालिबान ने अशांत झिनजियांग प्रांत में 'ईस्ट तुर्केस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) के बारे में चीन की चिंता का समाधान करने के लिए उसके सामने भी ऐसा ही प्रस्ताव रखा।

जर्मन मीडिया का दावा ! चीन से ड्रोन खरीदने जा रहा है रूस

पेशावर (एजेंसी)। (बर्लिन) रूस-यूक्रेन युद्ध के एक साल पूरे होने के बाद से दुनिया में अंतरराष्ट्रीय हलचल तेज हो गई है। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री ने यूक्रेन सहित यूरोप और रूस की यात्रा की. ईरान ने नई क्रूज मिसाइल विकसित करने का ऐलान किया है और यूरोपीय संघ ने रूस प्रतिबंध और कठोर कर दिए। वहीं रूस ईरान और उत्तर कोरिया से हथियार हासिल करने की कोशिश कर रहा है। अब जर्मन मीडिया में खबर आई है कि इस सूची में चीन का नाम भी जुड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस चीन से कामीकाजे ड्रोन लेने के लिए बातचीत कर रहा है।

मीडिया में आई खबर के अनुसार स्पीगल की 23 फरवरी के रिपोर्ट में बिना किसी निश्चित स्रोत का जिक्र किए कहा गया है कि रूस फिलहाल एक चीनी कंपनी से सौ चीनी कामीकाजे ड्रोन हासिल करने के लिए बातचीत कर रहा है, जिसका उपयोग वह यूक्रेन के शहरों पर हमला करने के लिए इस्तेमाल करेगा। बातचीत आगे बढ़ने पर ये 100 ड्रोन रूस को अप्रैल तक मिल जाएंगे। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और जर्मनी सहित पश्चिमी देशों ने चीन को चेतावनी दी थी कि वह रूस को हथियार न दे और अगर उसने ऐसा किया तो इसके नतीजे गंभीर होंगे। रूस फिलहाल पश्चिमी देशों के बहुत ही कठोर प्रतिबंध झेल रहा है और माना जा रहा है कि अभी वह ईरान और उत्तर कोरिया से हथियार हासिल करेगा।

अभी तक चीन रूस को हथियार देने के मामले में खामोश था। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की रूसी यात्रा में भी जब दोनों देशों ने एक दूसरे को अहम सहयोगी बताया तो चीन की ओर से यी ने साफ कहा कि यह सब किसी भी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है, लेकिन खबर और पश्चिमी देशों की आशंका के मुताबिक चीन की स्थिति बदल रही है।

अमेरिकी और पश्चिमी देशों की खुफिया जानकारियों से पता चला है कि चीन रूस पर खुद से लगाए हथियारों की पाबंदी को हटा सकता है, लेकिन ऐसा लगता है कि चीन ने अब तक अंतिम फैसला नहीं लिया है। देखा जा रहा था कि अभी तक चीन रूस को आर्थिक या तेल खरीद में हिचकिचा रहा था, लेकिन अब उसकी स्थिति बदल रही है. ऐसी खबरें भी चल रही हैं कि चीन ने रूस को सैटेलाइट तस्वीरें भी मुहैया कराई हैं। दूसरी ओर चीनी विदेश मंत्रालय ने रूस को हथियार देने की खबरों को खारिज किया है। बहरहाल पश्चिमी मीडिया के दावे का सच जल्दी ही सामने आ जाएगा।

भारत को जी-20 की कमान ऐसे समय मिली जब दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध, खाद्य संकट, चीन की चुनौती से कर रही सामना

-जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अगले सप्ताह नई दिल्ली की यात्रा पर जाएंगे ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता ऐसे महत्वपूर्ण समय में मिली है, जब दुनिया अनेक बड़े संकटों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक खाद्य आपूर्ति में रूकावट और चीन की आक्रामक कार्रवाइयां मौजूदा विश्व की बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि वह जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अगले सप्ताह नई दिल्ली की यात्रा पर जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी। क्लेवरली ने कहा भारत की न केवल आर्थिक समृद्धि बल्कि कूटनीतिक प्रभाव में भी अविश्वसनीय रूप से वृद्धि हुई है। हम इससे बहुत खुश हैं। ब्रिटेन के भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर हमें गर्व है। यूक्रेन-रूस युद्ध का एक साल पूरा होने पर क्लेवरली ने यहां यूक्रेन में शांति और सुरक्षा बनाए रखने पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय परिचर्चा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता ऐसे समय में मिली है, जब दुनिया यूक्रेन युद्ध समेत कई अन्य चुनौतियों का सामना कर रही है।

यूक्रेन युद्ध का एक साल पूरा होने पर जी-7 के सदस्य देशों ने रूस पर सख्त किए प्रतिबंध

टोक्यो । जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और जी7 देशों में शामिल अन्य देशों के नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध के एक साल पूरा होने के पर आयोजित समूह के ऑनलाइन सम्मेलन के दौरान रूस पर अतिरिक्त पाबंदियां लगाने को मंजूरी दे दी। जापान के विदेश मंत्रालय के अनुसार जी7 ने एक बयान में कहा कि नेताओं ने यूक्रेन के लिए हमारे राजनयिक, वित्तीय और सैन्य समर्थन को गति देने, रूस और उसके युद्ध के प्रयासों का समर्थन करने वालों पर पाबंदियां बढ़ाने और दुनिया के बाकी हिस्सों विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जी7 में जापान के अलावा कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली,ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। इस साल जी7 के अध्यक्ष के रूप में किशिदा ने यह घोषणा भी की है कि जापान रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाएगा, जिसमें करीब 120 व्यक्तियों और संगठनों की संपत्तियों को जब्त करना और सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा सकने वाले ड्रोन व अन्य सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना शामिल है।

इनके दाढ़ी होती है, हम इन सिखों को एक दिन मुसलमान बनाएंगे: डॉक्टर मोहम्मद सुलेमान

– पाक में अक्सर गुरुनानक देव के बारे में वायरल हो रहे हैं कई आपत्तिजनक वीडियो

लाहौर (एजेंसी)। इन दिनों कई ऐसे वीडियोज सामने आ रहे हैं, जो पाकिस्तान से हैं और जिनमें सिखों को लेकर कई तरह की आपत्तिजनक बातें कही जा रही हैं। देश के एक सूफी संत मौलाना डॉक्टर मोहम्मद सुलेमान का एक ऐसा ही वीडियो इस समय शेयर हो रहा है। इस वीडियो में सुलेमान ने सिख और उनके धर्मगुरु गुरुनानक देव के बारे में कई आपत्तिजनक बातें कही हैं। सुलेमान ने सिखों को गंदा और बदबूदार बता रहे हैं। उनकी मानें तो वह एक दिन सभी सिखों को इस्लाम कबूल करवाकर ही रहेंगे। इससे पहले भी एक मौलवी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने गुरुनानक देव पर कई तरह की विवादित टिप्पणियां की हैं।

वीडियो में सुलेमान को कहते हुए सुना गया कि मुझे सिखों के काफी फोन आते हैं। अब जो है सो है, लेकिन मैं बहुत हैरान हूं। हमारे पैंगबर ने तो हमसे बगल के बाल भी साफ करने को कहा है। मैं लाहौर में पढ़ता था, इसलिए मैंने इन्हें देखा है। अल्लाह मुझे माफ करे, ये सिख इतने गंदे हैं। इनके दाढ़ी होती है। हम इन सिखों को एक दिन मुसलमान बनाएंगे। हमारे पास पूरा एक प्लान है और अभी इसे आगे न लेकर जाएं। सुलेमान यहीं नहीं रुके बल्कि उन्होंने यहां तक कह दिया कि सिखों के जो गुरु थे, पता नहीं वो क्या थे। सुलेमान की मानें तो पैगंबर उनसे कहीं ज्यादा महान थे।

सुलेमान को कहते हुए सुना गया है कि सिख अपने गुरु के पीछे भाग रहे हैं और फिर भी गंदे-गंदे काम करते हैं।

सुलेमान से पहले पाकिस्तान के एक मौलवी की क्लिप को जमकर शेयर किया गया था। इस क्लिप में मौलवी ने सिखों के गुरु गुरुनानक के बारे में कई बातें कही थीं। मौलवी का कहना था कि गुरुनानक ने कलमा नहीं पढ़ा था और इस्लाम कबूल नहीं किया था। इसलिए वह अच्छे इंसान नहीं हो सकते थे। उनका कहना था कि भले ही गुरुनानक, बाबा फरीद को पसंद करते थे मगर ऐसा करने से तो वह मुसलमान नहीं हो जाते। सच्चा मुसलमान वही है जो कलमा पढ़े। उनकी इस क्लिप को उन लोगों के मुंह पर तमाचे की तरह माना गया जो खालिस्तान आंदोलन का समर्थन करते हैं।

भारत के पंजाब राज्य में खालिस्तान बनाने की मांग को लेकर सन् 1980 के दशक की शुरुआत में एक आंदोलन की शुरुआत हुई। सिखों की तरफ से एक अलग देश बनाने की मांग पर शुरू हुई इस मुहिम को पाकिस्तान का समर्थन मिला। पाकिस्तानी आतंकियों ने इस आंदोलन की आड़ में भारत में कदम रखने शुरू कर दिए थे। साल 2021 में एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान की इंटेलीजेंस एजेंसी आईएसआई भारत में फिर से खालिस्तान आंदोलन को जिंदा करने की कोशिशों में लग गई है। इसके लिए उसे नवंबर 2019 में शुरू हुए करतारपुर कॉरिडोर को हथियार के तौर पर प्रयोग करना शुरू कर दिया है।

संपादकीय

मन के विटामिन

शरीर में विटामिन की कमी होती है तो हम ध्यान में आते ही तुरन्त उस विटामिन की पूर्ति कर लेते है । जिससे हमारा शरीर सही व सन्तुलित बना रहे । ठीक इसी तरह परिवार रिश्तों आदि में पैसे , सम्पति आदि को लेकर चिन्ता आ जाती है । उस स्थिति में रिश्तों में कड़वाहट भी आने लग जाती है । जिसका सीधा असर मन पर पड़ता है । मन दु:खी हो जाता है यह सब घर में देखकर । तब उस कड़वाहट के विटामिन को दूर करने के लिये विटामिन A (attachment) की कमी होती है । उसके लिये जरुरी है पास दूर जहाँ हो तो फोन से बात कर या आपस में मिलकर बोलते रहे । जिससे रिश्तों में अपनापन व माधुर्य घुला रहे । इसके प्रभाव से विटामिन B (Bonding) का काम भी हो जाता है तथा जिससे cementing रिश्तों की होने से धार लगातार रिश्तों में रहने लग जाती है । हमारे द्वारा सदैव ऐसे प्रयास हो की किसी भी तरह के विटामिन की कोई कमी रिश्तों में कभी भी नहीं रहे ।

और कोई गलतफहमियों के शिकार भी नहीं रहे रिश्ते । वैसे भी रिश्तों को जरुरी है बराबर सही से पोषण की। उसके लिए ये सब विटामिन बढ़ाएँगे रिश्तों में IMMUNITY. अत: रिश्ते किसी विकार के शिकार न जाएँ या उनमें दरार नहीं पड़ जाये । इसके जरूरी है समय-समय पर बार-बार उनको उपरोक्त विटामिनों की सही से खुराक देने की ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

काबू में आई, पर टली नहीं महंगाई

फिक्र की बात यह है कि पिछली बार जब महंगाई तेजी से बढ़ी, तो उसमें तिलहन और खाद्य तेलों की महंगाई ने बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन इस बार यह काम अनाज के दाम कर रहे हैं। तिलहन और खाद्य तेलों की तरह इसकी जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय बाजार या महंगे आयात पर नहीं डाली जा सकती। सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में अनाज के दाम पिछले साल के जनवरी के मुकाबले 60 फीसदी से भी ज्यादा हैं, जबकि सब्जियों में करीब 32 प्रतिशत की गिरावट दिखती है। अनाज के दाम कब गिरेंगे, यह बहुत हद तक मौसम पर निर्भर है। मगर यदि ये दाम कम नहीं हुए, तो फिर अर्थव्यवस्था के लिए नई परेशानी खड़ी हो सकती है।

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

महंगाई ने फिर खतरे की घंटी बजा दी है। जनवरी में खुदरा महंगाई का आंकड़ा एक बार फिर भारतीय रिजर्व बैंक की पहुंच से बाहर छलांग लगा गया है। दिसंबर में बारह महीने में सबसे कम, यानी 5.72 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद जनवरी में खुदरा महंगाई की रफ्तार फिर उछलकर 6.52 फीसदी हो गई है। पिछले साल के शुरुआती दस महीने यह आंकड़ा रिजर्व बैंक की बर्दाश्त की हद, यानी दो से छह प्रतिशत के दायरे से बाहर ही रहा और सिर्फ नवंबर व दिसंबर में काबू में आता दिखाई पड़ा था। फिर से खुदरा महंगाई दर का हद पार कर जाना फिक्र की बात इसलिए भी है, क्योंकि महंगाई का जो आंकड़ा नजर आ रहा है, वह दरअसल पूरी तस्वीर दिखा नहीं पा रहा। जानकार बता रहे हैं कि अगर सब्जियों के दाम गिरे नहीं होते, तो इस वक्त महंगाई और डरावनी दिखाई देती। पिछले दो महीनों में भी जो गिरावट दिखाई पड़ी, उसकी वजह खाने-पीने की चीजों के दाम ही थे। खाद्य महंगाई का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 40 फीसदी हिस्सा है। दिसंबर में 4.19 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद खाद्य महंगाई का आंकड़ा जनवरी में 5.94 प्रतिशत पर आ चुका है, जबकि पिछले अक्तूबर में यह 6.77 प्रतिशत की ऊंचाई पर था। मगर खाद्य महंगाई में भी सब्जियों की भागीदारी उसे कम रखने में भूमिका निभा रही है। जनवरी में सब्जियों के दाम 11.7 प्रतिशत कम हुए हैं, जबकि नवंबर से जनवरी तक तीन महीनों में इन दामों में करीब एक चौथाई गिरावट दिखी है।

फिक्र की बात यह है कि पिछली बार जब महंगाई तेजी से बढ़ी, तो उसमें तिलहन और खाद्य तेलों की महंगाई ने बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन इस बार यह काम अनाज के दाम कर रहे हैं। तिलहन और खाद्य तेलों की तरह इसकी जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय बाजार या महंगे आयात पर नहीं डाली जा सकती। सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में अनाज के दाम पिछले साल के जनवरी के मुकाबले 60 फीसदी से भी ज्यादा हैं, जबकि सब्जियों में करीब 32 प्रतिशत की गिरावट दिखती है। अनाज के दाम कब गिरेंगे, यह बहुत हद तक मौसम पर निर्भर है। मगर यदि ये दाम कम नहीं हुए, तो फिर अर्थव्यवस्था के लिए नई परेशानी खड़ी हो सकती है।

रिजर्व बैंक को यह एहसास है कि हालत कितनी गंभीर है। यही वजह है कि पिछले दिनों महंगाई काबू में आने की खबर के बावजूद उसने ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला बंद नहीं किया। रिजर्व बैंक की चिंता का कारण है, कोर इनफ्लेशन यानी वह आंकड़ा, जो खुदरा महंगाई के आंकड़े में से खाद्य पदार्थ और ईंधन की हिस्सेदारी को हटाकर बनता है। इस पर मौसम या अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव का असर उतना ज्यादा नहीं होता है, इसीलिए इसका ऊंचे स्तर पर रहना खास परेशानी का सबब है। जनवरी में यह आंकड़ा 6.2 प्रतिशत पर रहा। यह लगातार 21वां महीना था, जब कोर महंगाई का आंकड़ा छह प्रतिशत से ऊपर रहा है। इतने लंबे समय तक महंगाई बेकाबू रही हो, ऐसा लगभग दस साल पहले यानी 2012 से 2014 के बीच हुआ था। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने अपने पिछले बयान में कहा भी है कि महंगाई अभी एक गंभीर चिंता बनी हुई है। शायद यही वजह है कि मई से अब तक रिजर्व बैंक छह बार रेपो रेट बढ़ा चुका है। मगर यदि आपको लग रहा है कि ब्याज दर बहुत ज्यादा है या भारतीय रिजर्व बैंक बहुत सख्त हो रहा है, तो जान लीजिए, यह बात पूरी तरह सच नहीं है। साल 2000 में जब से बाजार में नकदी की मात्रा पर नियंत्रण रखने के लिए यह इंतजाम शुरू हुआ, उसके बाद उसी साल रिजर्व बैंक ने पूरे बीस बार रेपो रेट में बदलाव किए थे, ताकि रुपये का अवमूल्यन रोका जा सके। तब यह दर नौ प्रतिशत के आसपास थी। वहां से यह 14 प्रतिशत तक बढ़ी, फिर वापस नौ प्रतिशत तक आई, फिर 16 प्रतिशत और साल के अंत में 10 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद साल 2004 तक धीरे-धीरे गिरती रही और छह प्रतिशत पर पहुंची। इसके बाद इसमें बढ़त का सिलसिला शुरू हुआ। जुलाई 2008 में इसने नौ फीसदी की ऊंचाई छू ली थी, जो तब से अब तक की सबसे ऊंची दर है।

हालांकि, तब और अब में एक बड़ा फर्क यह है कि उस वक्त भारतीय रिजर्व बैंक की दर और होम लोन के ब्याज में कोई सीधा संबंध नहीं था। जो था, उसे भी बैंक अपने हिसाब से तोड़ते-मरोड़ते रहते थे। नए ग्राहकों को लुभाने के लिए कम दर और पुराने ग्राहकों से ऊंची दर वसूलने का सिलसिला साथ-साथ चलता रहता था। धीरे-धीरे रिजर्व बैंक ने इस मनमानी पर रोक लगाई और अब तो करीब-करीब तय है कि रिजर्व बैंक के रेट बढ़ाने या घटाने के साथ ही आपकी ईएमआई भी सिर्फ ऊपर नहीं, नीचे भी जाती है। मगर अतीत के किस्से दिल को बहलाने के लिए ही ठीक हैं। जिसने दो साल पहले होम लोन लिया है, उसके लिए तो आज का वक्त भी पर्याप्त डरावना है कि ईएमआई और कितनी बार बढ़ेगी? साथ में खाने-पीने और पेट्रोल-डीजल का बिल, और यह चिंता भी कि महंगाई के बहाने निजी कंपनियां अपने कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ाने में उदारता दिखाने के बजाय, खर्च में कटौती के किस्से ही सुनाती मिलती हैं।

हालांकि, जनवरी में लगातार आठवें महीने थोक महंगाई में गिरावट दिखाई पड़ी है। थोक मूल्य सूचकांक अब 4.7 प्रतिशत पर है, लेकिन विशेषज्ञ इससे खुश नहीं हैं। उन्हें उम्मीद थी कि यह आंकड़ा 4.5 प्रतिशत होना चाहिए था। दूसरी बात यह कि थोक और खुदरा महंगाई साथ-साथ नहीं चल रही है। सामान्य स्थिति में माना जाता है कि अगर थोक महंगाई आज कम हो रही है, तो खुदरा दाम आने वाले कुछ समय में कम होते दिखेंगे, लेकिन अगर ये दोनों आंकड़े उल्टे चलने लगे, तो फिर नीति-नियंताओं की दुविधा भी बढ़ाएंगे और शायद आम आदमी की चिंता भी।

इन सबसे एक बात तो अब तय लग रही है कि महंगाई की मुसीबत कतई टली नहीं है और अप्रैल की क्रेडिट पॉलिसी में रिजर्व बैंक शायद एक बार और दरें बढ़ाने का एलान कर सकता है। उसके आगे यह सिलसिला चलेगा या नहीं, इसका फैसला दुनिया की उथल-पुथल के अलावा भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार और मानसून की चाल से ही हो पाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

भारतवंशियों की बंसी से सम्मोहित अमेरिका

अरुण नैथानी

भले ही अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों में अपने हुनर-मेहनत से शिखर की सफलता हासिल करने वाले भारतवंशियों से सीधे तौर पर देश-देशवासियों को कोई सीधा लाभ न होता हो, मगर उनका भारतीय मूल का होना हमें गौरव से भर देता है। निस्संदेह, वे उस देश के नागरिक होते हैं और उनकी प्रतिबद्धता उस देश के संविधान-समाज के प्रति होती है। फिर भी हम खुशफहमी में रहते हैं। जैसा कि अमेरिका में कमला हेरिस के उपराष्ट्रपति बनने पर देश झूमा मगर उनकी तरफ से कभी कोई भाव-विभोर करने वाली पहल होती न दिखी। वहीं कश्मीर व पाक के मुद्दे पर डेमोक्रेट सरकार की नीतियां भारतीय अहसासों के अनुरूप नहीं रही। बहरहाल, इसी कड़ी में नया नाम जुड़ रहा है निक्की हेली का। यूं तो वे अमेरिकी राज्य कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर रहते हुए ख्याति अर्जित कर चुकी हैं। फिलहाल निक्की एक बार फिर सुर्खियों की सरताज हैं। उन्होंने 2024 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार बनने की घोषणा की है। यद्यपि पूर्व व विवादित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी राष्ट्रपति पद के लिये अपनी दावेदारी जता चुके हैं। इसके बावजूद एक समय अमेरिका में सबसे कम उम्र का गवर्नर बनने का रिकॉर्ड बना चुकी निक्की हेली अपनी धीर-गंभीर छवि से अमेरिका के लोगों को प्रभावित करती रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप जैसे अगंभीर व विवादित छवि वाले नेता के मुकाबले निस्संदेह निक्की इक्कीस बैठती हैं। फिर वे परंपरागत व रूढ़िवादी अमेरिकी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली रिपब्लिकन पार्टी की रीति-नीतियों की हमेशा अगुवा रही हैं।

दरअसल, निक्की हेली का परिवार कई दशकों पहले पंजाब से निकलकर अमेरिका में जा बसा था। उनका जन्म 20 जनवरी, 1972 में साउथ कैरोलाइना के बैम्बर्ग में हुआ। उनका पूरा नाम निम्रत निक्की रंधावा था। उनके पिता अजीत सिंह रंधावा व मां राज कौर रंधावा ने निक्की की परवरिश एक बेटे की तरह की। अकाउंटिंग में बीएससी करने के दौरान वह माइकल हेली के संपर्क में आई और वर्ष 1996 में उनसे शादी कर ली। उनकी शादी दो तरह के रीति-रिवाजों के साथ हुई। एक मेथोडिस्ट चर्च के नियमों के अनुसार और दूसरी सिख रीति रिवाजों के अनुरूप। बाद में माइकल सैन्य सेवा में चले गये। दोनों के दो बच्चे हैं। कालांतर में निक्की ने ईसाई धर्म अपना लिया। लेकिन माता-पिता की इच्छा के अनुरूप सिख धर्म से जुड़े आयोजनों में भागीदारी करती रही। प्रारंभ में वे अपने परिवार के कपड़े के व्यवसाय से जुड़ी कंपनियों में अकाउंटिंग का काम देखती रही और फिर कई नामी कंपनियों के लिये भी अकाउंटिंग का काम किया। वह महिला व्यावसायिक संगठनों से भी जुड़ी और नेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमन बिजनेस ऑनर्स की अध्यक्ष भी रही। धीरे-धीरे वह राजनीतिक क्षेत्र में अपना कद बढ़ाती चली गईं। वर्ष 2004 में साउथ कैरोलाइना से अमेरिकी संसद में पहुंचीं। वर्ष 2010 में निकी हेली अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाली पहली गवर्नर बनीं। वह तब साउथ कैरोलाइना की पहली महिला गवर्नर भी बनीं। उन्होंने अमेरिका में सबसे कम उम्र की गवर्नर बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कराया। वह ट्रंप प्रशासन में कैबिनेट रैंक हासिल करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला भी बनी। वैसे अमेरिकी समाज और राजनीति में निक्की की राह इतनी आसान भी नहीं थी। उन्होंने स्वीकारा कि बचपन में नस्लीय भेदभाव का सामना किया था। लोगों ने उनके रंग को लेकर ताने कसे थे। उन्होंने कहा भी कि मैं न तो काले समुदाय से थी और न ही गोरे समुदाय से, मैं इनसे अलग थी। यही वजह थी कि मुझे बाहरी माना जाता था। ऐसा स्वाभाविक है पूरी दुनिया में, लेकिन अमेरिका दूसरे देशों से अलग है, अमेरिकी समाज बाहर से आये लोगों को स्वीकार करता है। महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिकी समाज में नस्लीय भेदभाव संस्थागत रूप में विद्यमान नहीं है। दरअसल, निक्की ने कैरोलाइना की असेंबली सीट जीतने के बाद राजनीति में प्रवेश किया। असेंबली में तीन कार्यकाल पूरे करने के बाद ही वे कैरोलाइना की गवर्नर बनीं। शुरुआती दौर में निक्की डोनाल्ड ट्रंप की मुखर विरोधी रही, लेकिन कालांतर में उनकी रणनीति में बदलाव आया था। अपनी असहमति को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा भी था कि वे ट्रंप की फैन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप उस हर चीज के प्रतीक हैं, जिसे हम स्कूलों में बच्चों को करने से मना करते हैं। लेकिन निक्की की डोनाल्ड ट्रंप ने मुक्तकंठ से प्रशंसा भी की। यहां तक कि उन्होंने निक्की को वर्ष 2017 में अमेरिकी दूत के रूप में संयुक्त राष्ट्र में नामित किया, जिसके बाद निक्की को साउथ कैरोलाइना के गवर्नर पद से इस्तीफा देना पड़ा। इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में जहां अमेरिकी नीति के अनुरूप इस्राइल के समर्थन और रूस व उत्तरी कोरिया के मुखर विरोध को ही तरजीह दी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले वर्ष 2018 में उन्होंने जब अपने पद से इस्तीफा दिया तो कयास लगे कि

शायद वे वर्ष 2020 के चुनाव में उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनेंगी, लेकिन उन्होंने ऐसी कोई दावेदारी नहीं की। वे सिर्फ साउथ कैरोलाइना में जनसंपर्क के कार्यों में लगी रहीं। साथ ही उन्होंने इस दौरान दो पुस्तकें भी लिखीं। लेकिन राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद कैपिटल हिल में हुई हिंसा पर उन्होंने खुलेआम ट्रंप की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि इस घटना से रिपब्लिकन शर्मिंदा है। बहरहाल, कभी निक्की हेली ने कहा था कि वह व्हाइट हाउस की रेस में शामिल नहीं होंगी। वे ट्रंप को चुनौती नहीं देंगी। लेकिन अब वे कह रही हैं कि रिपब्लिकन पार्टी को अब पीढ़ी बदलने की जरूरत है। यदि देश में नई पीढ़ी आएगी तो अर्थव्यवस्था में ताजगी आयेगी, देश और मजबूत होगा।

विचार मंथन

कार्यकर्ताओं की पार्टी कब बनेगी कांग्रेस

(लेखक-सनत जैन)

कांग्रेस ने भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की लड़ाई में काग्रेस नेताओं ने जनता की समस्याओं और उनके अधिकारों की लड़ाई अंग्रेजों से लड़ी। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के लिए जनता एकजुट हुई। ग्रेस पार्टी मे कार्यकर्ताओं का एक केडर तैयार हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ता अपने गांव, कस्बे और शहरों में जनता की लड़ाई लड़ते थे। जिनमें आम जनता शामिल होती थी। जिससे कांग्रेस की पहचान एक जन आंदोलन चलाने वाली सर्वहारा की पार्टी के रूप में, पहचान बनी। जनता कांग्रेस को अपनी पार्टी मानती थी, भले वह उसकी सदस्य ना हो। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने जनता की विभिन्न समस्याओं और स्वतंत्रता को लेकर जो लड़ाई लड़ी थी। उससे कांग्रेस पार्टी जनता की पहचान बनी। भारत के उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम जहां-जहां अंग्रेजों का शासन, राजाओं और रजवाड़ों के माध्यम से चल रहा था। उन सभी रजवाड़ों में कांग्रेस ने क्रांति की अलख जगाई। उसके कारण अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा।

पिछले कई दशकों मे कांग्रेस पार्टी नेताओं की पार्टी बन गई है। राजे रजवाड़ों की तरह नेताओं ने अपने-अपने एरिया बांट लिए हैं। क्षेत्रीय नेता, अपने अपने तरीके से कांग्रेस संगठन को अपने प्रभाव में रखना चाहते है। राजे रजवाड़ों की तरह कांग्रेसी नेताओं ने संगठन में अपने जी हजूरों के भरोसे छोड़ा है। जो संगठन के विभिन्न पदों पर बैठकर सत्ता में हो या विपक्ष में उनकी ही सत्ता बनी रहती है। इसमें आम जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी नहीं होती है।

भारत ज्योति यात्रा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोबल बढ़ा है। कांग्रेस का 85 वां राष्ट्रीय अधिवेशन इसलिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है, कि ठीक 100 वर्ष पहले महात्मा गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। उन्होंने कांग्रेस में दलितों हरिजनों पिछड़ों मुस्लिमों और सभी वर्गों को जोड़कर कांग्रेस को जन-जन की पार्टी बनाने का काम किया था। जिसमें वह सफल रहे। भारत छोड़ो यात्रा के बाद दक्षिण से लेकर उत्तर तक आमजन में एक नया विश्वास जागा है। भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत को और कांग्रेस के प्रति जो दुष्प्रचार हो रहा था, उसको लेकर जनता में एक नई आशा की किरण कांग्रेस नेतृत्व को लेकर जागी है। भारत जोड़ो यात्रा से सारे देश में भय मुक्त होने का वातावरण बनना शुरू हुआ है। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए कांग्रेस पार्टी को अब जनता के मुद्दों की लड़ाई लड़नी होगी। कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं और आम जनता को जोड़ना होगा। कांग्रेस पार्टी को एक नया स्वरूप देते हुए जन आंदोलन के रूप में एक बार फिर कांग्रेस को जन आशाओं का केंद्र बनना होगा। वर्तमान में जिस तरीके की चुनौतियां हैं। उसमें संविधान को बचाए रखने के लिए कांग्रेस पार्टी के संगठन और नेतृत्व को लचीला होना भी जरूरी है। लोकतंत्र बचा रहेगा, तो बाकी सत्ता और अन्य लड़ाइयां बाद में भी हो सकती हैं। लेकिन जब लोकतंत्र ही नहीं बचेगा, ऐसी स्थिति में फिर लड़ने के लिए कुछ बचेगा भी नहीं। कांग्रेस पार्टी को सर्वहारा की विचारधारा बनाकर जनता की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में आना होगा। काग्रेस अध्यक्ष के रूप में मल्लिकार्जुन खड़गे एक दलित नेता है। गांधी परिवार को लेकर पिछले 2 दशकों से निशाना साधा जा रहा था। उससे अब कांग्रेस दूर हो गई है।

वर्तमान में उससे लोकतंत्र को लेकर आम आदमी के मन में एक निराशा का भाव जागृत होने लगा है।शासन प्रशासन का दबाव आम जनता पर बढ़ता जा रहा है। महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार कालेधन के बारे में 10 साल पहले जो भरोसा भाजपा नेताओं द्वारा जताया गया था। अच्छे दिन का वादा, महंगाई, बेरोजगारी खत्म करने का जो सपना दिखाया था। उन सभी वादों मे भारतीय जनता पार्टी 8 वर्षों विफल साबित हुई है। महंगाई,बेरोजगारी, कर्ज ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जिस तरह से भय का वातावरण है। सरकार से अपना हक और अधिकार मांगने पर सरकारी डंडा चल रहा है। आम जनता पर विकास के नाम पर टैक्स बढ़ता जा रहा है। शासन, प्रशासन और न्यायपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर आम जनता में निराशा का भाव है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का 85 वां राष्ट्रीय अधिवेशन स्वतंत्रता आंदोलन की तरह भारतीय लोकतंत्र को बचाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अत: उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित
शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असर्मथता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुन: साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

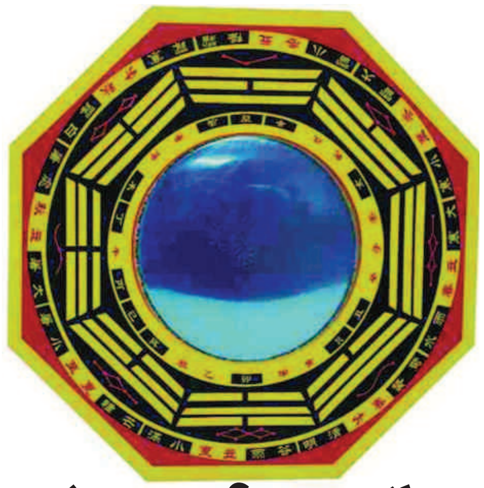

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अत: साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

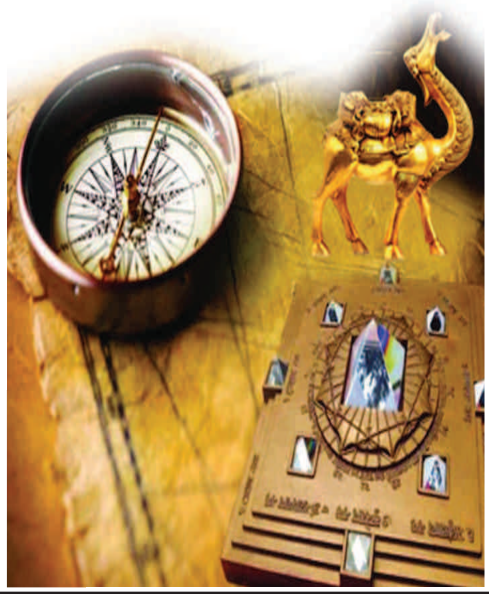

कोकिंग कोयला खानों से उत्पादन 2025 तक शुरू होगा

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र को पिछले दो साल के दौरान नीलामी के जरिए बेची गई 10 कोकिंग कोयला खानों में से ज्यादातर में 2025 तक उत्पादन शुरू हो सकता है। कोयला मंत्रालय ने यह बात कही है। मंत्रालय ने कच्चे कोकिंग कोयले का उत्पादन बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को 10 ब्लॉकों की नीलामी की है। लौह और इस्पात विनिर्माण का यह प्रमुख कच्चा माल है। कोयला मंत्रालय ने 2022 की अपनी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें से अधिकांश ब्लॉकों से 2025 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। इन खानों की अधिकतम रेटेड क्षमता (पीआरसी) 2.25 करोड़ टन है। घरेलू स्तर पर कच्चे कोकिंग कोयले का उत्पादन 2030 तक 14 करोड़ टन पर पहुंचने की उम्मीद है। कोल इंडिया (सीआईएल) ने मौजूदा खानों से कच्चे कोकिंग कोयले के उत्पादन को 2.6 करोड़ टन तक बढ़ाने की योजना बनाई है। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने 2.2 करोड़ टन पीआरसी वाली नौ नई खानों की पहचान की है। देश के कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत की है।

आईपी सूचकांक मामले में भारत 55 देशों में 42वें स्थान पर

मुंबई । अमेरिकी उद्योग मंडल यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर की तरफ से हाल ही में जारी की गई वार्षिक रिपोर्ट में भारत की बौद्धिक संपदा-आधारित नवाचार गतिविधियों की प्रशंसा की गई है। अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक के मामले में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से 42वें स्थान पर है। यह आईपी-चालित नवाचार के जरिये भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलाव की संभावनाओं को दर्शाता है। इस रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक को आधार बनाते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति को दर्शाया गया है। ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा, भारत का आकार और आर्थिक रसूख वैश्विक पटल पर बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में भारत आईपी-प्रेरित नवाचारों की मदद से अपनी अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने की मंशा रखने वाली उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक अग्रणी देश बन सकता है। पेटेंट से लेकर कॉपीराइट कानूनों तक का जिक्र करने वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने कॉपीराइट अधिकारों के उल्लंघन पर गतिशील निषेधात्मक आदेश जारी कर कॉपीराइट की नकल रोकने के सशक्त प्रयास किए हैं। इसके अलावा आईपी-आधारित कर रियायतें देकर और नकली उत्पादों के बारे में जागरूकता फैलाकर भी भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है।

उत्पादकता बढ़ाने कृत्रिम बुद्धिमत्ता बेहद अहम प्रौद्योगिकी समाधानः भवीश

मुंबई । ऑनलाइन टैक्सी सेवा ओला कैब्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी भवीश अग्रवाल ने कहा कि उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) बेहद अहम प्रौद्योगिकी समाधान है और भारत को इसे अपनाने में बढ़त लेनी चाहिए। अग्रवाल ने यहां एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि इस तरह की उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाने से रोजगार अवसरों में कटौती होने की आशंका में कोई दम नहीं है। एआई जैसे प्रौद्योगिकी रुझान बड़े व्यवधान खड़ा करते हैं। ऐसे में कोई यह भी सोच सकता है कि इसे अपनाने से नौकरियों को खतरा होगा, लेकिन मैं तो इसे उत्पादकता बढ़ाने वाले एक व्यापक प्रौद्योगिकी साधन की तरह देखता हूं। अग्रवाल ने कहा कि एआई को अपनाकर उत्पादकता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने इस दिशा में भारत के अग्रणी स्थिति में होने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह भारत दुनिया में सबसे अधिक उत्पादक देश बन सकता है। भारत में हमें अर्थव्यवस्था और उसके हितधारक के तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का स्वागत खुले दिल से करना चाहिए। इसका आर्थिक वृद्धि पर खासा असर होगा। उन्होंने कहा कि एआई को अपनाने से नई तरह की नौकरियां भी पैदा होंगी। भारत में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के आने से भी कई तरह की नौकरियां पैदा हुई थीं।

वैश्विक रुझान और जीडीपी के आंकड़ों से तय होगी बाजार की चाल

- ब्रेंट कच्चे तेल की चाल, रुपए और डॉलर का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई ।(एजेंसी)

इस सप्ताह शेयर बाजारों की चाल वैश्विक रुझान, घरेलू मोर्चे पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों तथा विदेशी कोषों के रुख से तय होगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े और वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे। महंगाई की चिंता के बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की आशंका से बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,538.64 अंक नीचे आया। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार की निगाह अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल तथा डॉलर सूचकांक के साथ वैश्विक रुझानों पर रहेगी। 2023 की पहली छमाही में बाजार की दृष्टि से अमेरिका में ब्याज दरों का परिदृश्य महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि बाजार अभी भू-राजनीतिक स्थिति पर अधिक प्रतिक्रिया नहीं दे रहा है, लेकिन कोई भी अप्रत्याशित घटनाक्रम-सकारात्मक या नकारात्मक-बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। घरेलू स्तर पर इस सप्ताह हमारे लिए चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। ब्रेंट कच्चे तेल की चाल और रुपए और डॉलर का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने कहा कि बाजार में यदाकदा सुस्ती का दौर आ सकता है क्योंकि कई नकारात्मक कारकों की वजह से निवेशक अपनी पोर्टफोलियो में कमी कर सकते हैं। इसके अलावा नए माह की शुरुआत के साथ निवेशकों की निगाह महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। जीडीपी और बुनियादी क्षेत्र के आंकड़े 28 फरवरी को आएंगे। इसके अलावा पीएमआई विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के आंकड़े क्रमशः एक मार्च और तीन मार्च को आएंगे। वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े एक मार्च को आएंगे। घरेलू आंकड़ों के साथ वैश्विक बाजार का प्रदर्शन, कच्चे तेल के दाम और रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण

रहेगा। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध फिर शुरू होने के बीच बाजार में तमाम तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। हालांकि इसका अल्पकालिक असर होगा लेकिन रूस पर प्रतिबंधों से खाद्य और तेल निर्यात पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता बनी हुई है।

विश्व बैंक, आईएमएफ प्रमुखों से सीतारमण ने कर्ज पुनर्गठन पर चर्चा की

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रमुखों के साथ गोलमेज बैठक की और कुछ देशों के समक्ष मौजूद ऋण पुनर्गठन की समस्या पर चर्चा की। विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड माल्पस और आईएमएफ की प्रबंध निदेशक (एमडी) क्रिस्टलिना जॉर्जीवा के साथ सीतारमण की गोलमेज बैठक यहां पर जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की पहली बैठक से इतर आयोजित की गई। इस बैठक में ऋण पुनर्गठन की चुनौतियों और ऋण जोखिम के मुद्दों पर चर्चा की गई। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में इस गोलमेज बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्तमान के विविध कर्ज परिदृश्य को स्वीकार करने और चुनौतियों व उनसे निपटने के तरीकों की एक आम समझ बनाने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने जी-20 समूह के माध्यम से कमजोर और कम प्रतिनिधित्व वाले कर्जदार देशों की आवाज सुनने का आह्वान किया। वित्त मंत्रालय ने एक और ट्वीट में कहा कि आईएमएफ की एमडी जॉर्जीवा और विश्व बैंक के अध्यक्ष माल्पस ने कर्ज पुनर्गठन की प्रक्रिया को तेज करने का आह्वान किया और कहा कि यह मंच एक साथ काम करने और कमजोर देशों की मदद करने का अवसर है। कोरोना महामारी के बाद कई देश भारी कर्ज के बोझ से दब गए थे। इन्हें राहत देने के लिए ऋण पुनर्गठन की दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाए गए हैं। कुछ सबसे खराब कर्जदार देशों- जाम्बिया, चाड और इथियोपिया के लिए लेनदार समितियां गठित की जा चुकी हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 9 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मार्केट कैप 1.87 लाख करोड़ घटा

- आईटीसी को छोड़कर प्रमुख 10 में शामिल अन्य सभी कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई

मुंबई ।(एजेंसी)

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,87,808.26 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। बाजार में इस बात को लेकर चिंता है कि मुद्रास्फीति की वजह से अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में और बढ़ोतरी कर सकता है। इसके अलावा विदेशी कोषों की निकासी से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में आईटीसी को छोड़कर प्रमुख 10 में शामिल अन्य सभी कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 37,848.16 करोड़ रुपए घटकर 8,86,070.99 करोड़ रुपए, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत में 36,567.46 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 16,14,109.66 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 36,444.15 करोड़ रुपए के नुकसान से 12,44,095.76 करोड़ रुपए, एचडीएफसी का 20,871.15 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4,71,365.94 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 15,765.56 करोड़ रुपए घटकर 5,86,154.58 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,465.86 करोड़ रुपए के नुकसान पर 6,52,862.70 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 10,729.2 करोड़ रुपए घटकर 4,22,034.05 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 8,879.98 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,64,927.66 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 7,236.74 करोड़ रुपए घटकर 5,83,697.21 करोड़ रुपए रह गई है। इस रुख के विपरीत आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 2,143.73 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,77,910.85 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एचडीएफसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

उत्तर भारत में मार्च से शुरू होगी नई चाय की नीलामी प्रणाली

कोलकाता ।(एजेंसी)

दक्षिण भारत में चाय की नीलामी के लिए लागू भारत नीलामी मॉडल मार्च के अंत से उत्तर भारत में भी शुरु कर दिया जाएगा। चाय उद्योग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस नीलामी की प्रायोगिक परियोजना एक मार्च को आयोजित की जाएगी ताकि हितधारक सभी पहलुओं का परीक्षण कर सकें। इसके बाद 22 मार्च, 2023 से भारत नीलामी मॉडल को कोलकाता, गुवाहाटी और सिलीगुड़ी में पेश किया जाएगा। कलकत्ता चाय व्यापारी संघ (सीटीटीए) के सचिव जे कल्याणसुंदरम ने कहा कि अभी की मौजूदा अंग्रेजी नीलामी प्रणाली 22 मार्च से भारत नीलामी मॉडल में बदल जाएगी। इसके पहले एक मार्च को परीक्षण के लिए प्रायोगिक नीलामी आयोजित की जाएगी। सीटीटीए, कोलकाता में नीलामी आयोजित करता है जबकि चाय नीलामी समिति यह काम सिलीगुड़ी और गुवाहाटी में करती है। दक्षिण भारत में नई नीलामी व्यवस्था पहले से ही चल रही है। उन्होंने कहा कि वहां नीलामी में शामिल चाय की मात्रा उत्तर भारत की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि देश में नीलामी के माध्यम से बेची जाने वाली 60 करोड़ किलोग्राम चाय में से उत्तर भारत का हिस्सा 70 प्रतिशत है जबकि शेष हिस्सा दक्षिण भारत का है। हालांकि मौजूदा

नीलामी प्रणाली से दूसरी प्रणाली की ओर जाने के संबंध में अंशधारकों का एक तबका आलोचना कर रहा है, लेकिन चाय बोर्ड इस बात पर कायम रहा है कि उसे नई प्रक्रिया को पूरे भारत में लागू करना है।

चालू वित्त वर्ष में सेवा निर्यात 300 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाने की उम्मीद अभय सिन्हा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2022-23 में सेवा निर्यात के 300 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाने की उम्मीद है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) के महानिदेशक अभय सिन्हा ने कहा वैश्विक अवसरों का लाभ उठाकर भारत वर्ष 2030 तक 1,000 अरब डॉलर का सेवा निर्यात लक्ष्य हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) में समर्थन उपायों से सेवाओं निर्यात और बढ़ाने में मदद मिलेगी। अभय सिन्हा ने कहा कि आईटी और संबद्ध क्षेत्र, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवा के बूते सेवाओं का निर्यात में अच्छी वृद्धि कर रहा है। उन्होंने कहा मौजूदा दर के हिसाब से चालू वित्त वर्ष में सेवाओं का निर्यात 300 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान सेवा निर्यात 272 अरब डॉलर रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 206.28 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2021-22 में सेवा निर्यात 254 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। सेवा निर्यात में 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों का है। इसके बाद यात्रा, पर्यटन, शिक्षा और बैंकिंग जैसी वित्तीय सेवाओं और लेखांकन का नंबर आता है। सिन्हा ने कहा 2030 तक 1,000 अरब डॉलर का लक्ष्य महत्वाकांक्षी नहीं है। उद्योग सरकार के सहयोग से इसे हासिल कर सकता है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 335 परियोजनाओं की लागत 4.46 लाख करोड़ बढ़ी

- जनवरी, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 13,53,875.70 करोड़ रुपए खर्च हो चुके

मुंबई । (एजेंसी)

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की 335 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.46 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जनवरी, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,454 परियोजनाओं में से 335 की लागत बढ़ गई है, जबकि 871 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,454 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 20,59,065.57 करोड़ रुपए थी लेकिन अब इसके बढ़कर 25,05,248.43 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,46,182.86 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 13,53,875.70 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 54.04 प्रतिशत है। हालांकि मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की

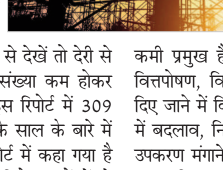

हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 703 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 309 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 871 परियोजनाओं में से 169 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 157 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 414 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 131 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 871 परियोजनाओं में हो रहे विलंब का औसत 39.69 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

विदेशी निवेशको ने फरवरी में अब तक शेयर बाजार से 2,300 करोड़ निकाले

मुंबई ।(एजेंसी)

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक का ब्योरा जारी होने से पहले इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 2,313 करोड़ रुपए निकाले हैं। हालांकि, एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार जनवरी के मुकाबले कम हुई है। उस समय विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजारों से 28,852 करोड़ रुपए निकाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने शेयरों में 11,119 करोड़ रुपए और नवंबर में 36,238 करोड़ रुपए का निवेश किया था। एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिका में बढ़ती दरों से भारत सहित अन्य उभरते बाजारों से पूंजी की निकासी हो सकती है। आंकड़ों के मुताबिक एक से 24 फरवरी के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 2,313 करोड़ रुपए की निकासी की है। उन्होंने कहा कि एफओएमसी की बैठक का ब्योरा जारी होने से पहले और अमेरिका में निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों की वजह से एफपीआई ने सतर्कता का रुख अपनाया है। मुद्रास्फीति में कमी की रफ्तार धीमी होने की वजह से अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा अधिक लंबे समय तक ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला कायम रखने की आशंका है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 2,819 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

आईओबी ने एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

- 444 दिनों के लिए करना होगा निवेश

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पब्लिक सेक्टर के बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दरों में बदलाव किया है। बैंक ने दो करोड़ रुपए तक के फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी कर दी है। रिजर्व बैंक के रेपो रेट में इजाफे के बाद से देश के प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर के बैंक अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम को आकर्षक बनाने के लिए ब्याज दरों में इजाफा कर रहे हैं।

इंडियन ओवरसीज बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट पर नई ब्याज दरें 10 फरवरी से लागू हो गई हैं। इंडियन ओवरसीज बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, 444 दिनों में मैच्योर होने वाली फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक अब अधिकतम सात फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है। बैंक 7 से 45 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर 4.50 फीसदी की दर से ब्याज देना जारी रखेगा। वहीं, 46 से 90 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर 4.75 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा। 91 दिनों से 179 दिनों के डिपॉजिट पर आईओगी ने ब्याज दर में 10 बेसिस प्वाइंट्स का इजाफा किया है। बैंक ने इस अवधि की एफडी के लिए ब्याज दर को 4.20 फीसदी से बढ़ाकर 4.30 फीसदी कर दिया है। वहीं, 180-269 दिनों की डिपॉजिट पर ब्याज दर अब बढ़कर 4.85 फीसदी से 4.95 फीसदी हो गई है। 270 दिनों से एक वर्ष में मैच्योर होने वाली डिपॉजिट पर अब 5.35 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। दो वर्षों में मैच्योर होने वाली एफडी पर अब 6.45 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। 444 दिनों में मैच्योर होने वाली डिपॉजिट पर 7 फीसदी की दर से ब्याज मिलता रहेगा, जबकि 2 साल से 3 साल में मैच्योर होने वाली डिपॉजिट पर अब 6.40 फीसदी का ब्याज मिलेगा। बैंक तीन साल और उससे अधिक की अवधि के जमा पर 6.50 फीसदी की ब्याज देना जारी रखेगा। आईओबी टैक्स सेवर डिपॉजिट ब्याज दरें आम जनता के लिए 6.50 फीसदी और सीनियर सिटीजन के लिए 7 फीसदी पर बनी रहेंगी।

इंडियन ओवरसीज ने बैंक वरिष्ठ नागरिक को 0.50 फीसदी की अतिरिक्त दर और अति वरिष्ठ नागरिक को 0.75 फीसदी की अतिरिक्त ब्याज दर देना जारी रखा है।

भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने वाले देशों में सबसे आगेः डर्क स्टेनकैंप

बैठक में जर्मन कंपनियों के लिए भारत में शिक्षा और व्यापार के अवस बढ़ाने पर चर्चा की गई

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जर्मनी की कंपनियों के सीईओ भारत के विकास की कहानी के मुरीद हो गए। मेक इन इंडिया पहल के तहत जर्मन कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बैठक हुई। इस बैठक में जर्मन कंपनियों के लिए भारत में शिक्षा और व्यापार के अवसरों को बढ़ाने के बारे में चर्चा की गई। इस बैठक के बाद टीयूवी नॉर्ड के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डर्क स्टेनकैंप ने कहा कि भारत बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने वाले देशों में सबसे आगे है। इंडिया आज उस मुकाम पर है, जहां से वह आर्थिक विकास की एक नई उड़ान भर सकता है। स्टेनकैंप ने कहा कि मैं शुरू से ही मेक इन इंडिया पहल के बारे में जानता हूं और हम भारत आने और भारत में उत्पादन शुरू करने के लिए कई जर्मन कंपनियों का समर्थन कर रहे हैं। भारत ने मेक इन इंडिया का हिस्सा बनने के लिए जर्मन मित्तलस्टैंड में एक पहल चल रही है। इसके साथ ही कई छोटे और मध्यम आकार के जर्मन उद्यमों में भारत आने और मेक-इन-इंडिया का हिस्सा बनने के लिए भी एक पहल चल रही है। उन्होंने कहा कि भारत में ग्रोथ और बिजनेस के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। स्टेनकैंप के अलावा तीन और कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में हिस्सा लिया। उनमें से एक रेथमैन कंपनी के सीईओ क्लेमेंस रेथमैन ने कहा कि भारत में कौशल और प्रतिभा है। इन संसाधनों का उपयोग करना सौभाग्य है और भारत उत्पादन की दुनिया में बड़ा हो जाएगा। रेथमैन ने कहा कि यहां आपको कार्यबल मिलता है जबकि जर्मनी में कार्यबल की कमी है। आपके पास इतने सारे बुद्धिमान युवा हैं, जो कुछ करना चाहते हैं जबकि रेंक की सीईओ सुजैन वीगैंड ने कहा कि वे भारत सरकार के एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में यहां आकर गर्व महसूस कर रही हैं।

उनकी कंपनी भारतीय सेना और नौसेना को ड्राइव सॉल्यूशंस की सप्लाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत का तेजी से बढ़ता सीमेंट बाजार भी एक बिजनेस संभावना है।

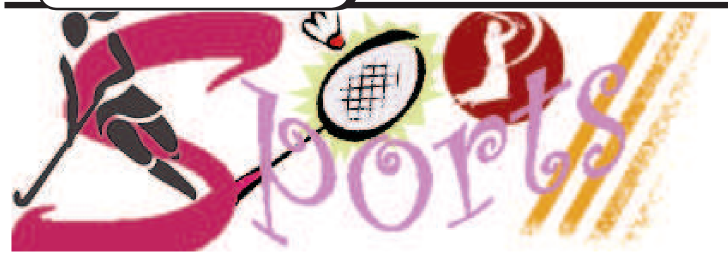

ख्वाजा के साथ पारी शुरु करेंगे हेड

इंदौर । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया था। अब डेविर वार्नर के बाहर होने के बाद वह अपने नए जोड़ीदार उस्मान ख्वाजा के साथ पारी शुरु करेंगे। हेड ने दिल्ली टेस्ट की दूसरी पारी में भी वॉर्नर के चोटिल होने की वजह से ओपनिंग की थी और सबसे अधिक 43 रन बनाए थे। इसी कारण से उन्हें तीसरे टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। हेड ने कहा कि वह इंदौर टेस्ट से पहले कहा कि वो रविचंद्नन अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसा भारतीय स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाएंगे और मौका पड़ने पर उनके खिलाफ शॉट्स खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया को दिल्ली में हुए दूसरे टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही हार का सामना करना पड़ा था और टीम मैच खत्म होने के बाद से यहीं रुकी रही. हालांकि, हेड को नागपुर टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला था। वहीं भारत के खिलाफ नागपुर टेस्ट में अंतिम ग्याहर में जगह नहीं मिलने के बारे में पूछे जाने पर हेड ने कहा, यह कुछ ऐसा था जिसकी यहां आने के बाद मुझे उम्मीद नहीं थी. इसको लेकर काफी बात हुई है। इस पर सबकी राय अलग-अलग है। मैं कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ताओं का सम्मान करता हूं। मेरा उनके साथ काफी मजबूत रिश्ता है। हेड ने आगे कहा कि मैच शुरू होने के अगले दिन मैंने खुद से कहा कि मैं अब भी दौरे पर हूं और ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहा हूं।

विराट को असफल कप्तान कहना सही नहीं

जीती हैं कई सीरीज

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान विराट कोहली के ऊपर आरोप लगते रहे हैं कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है हालांकि यह सही है इसके बाद भी विराट को एक असफल कप्तान नहीं कहा जा सकता है। अब सवाल उठता है कि क्या किसी कप्तान के लिए सफलता का अर्थ केवल आईसीसी ट्रॉफी जीतना हो सकता है। सिर्फ विराट कोहली ही, दुनियाभर में कई ऐसे कप्तान रहे हैं जो अपनी टीम को आईसीसी की ट्रॉफी नहीं जिता पाए लेकिन इसके बावजूद उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। ऐसे में विराट कोहली को एक असफल कप्तान कहना कहां तक सही माना जा सकता है। भारत के लिए सिर्फ दो ही कप्तान आईसीसी विश्व कप का खिताब जीत पाए हैं। इसमें कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी का नाम है लेकिन टीम इंडिया के लिए इनके अलावा भी कई कप्तान हुए जिन्होंने भारत को आईसीसी की ट्रॉफी तो नहीं दिलाई पर उन्होंने टीम को देश और विदेश में जीतना सिखाया। केवल इतना ही नहीं विराट की कप्तानी में टीम इंडिया तीनों ही प्रारुपों में नंबर एक भी रही है। कप्तानी में विराट कोहली का रिकार्ड। विराट ने कुल 68 टेस्ट मैचों में टीम इंडिया के लिए कप्तानी की। इस दौरान भारत ने 40 मैचों में जीत हासिल की। वहीं टीम को सिर्फ 17 मैचों में हार का सामना करना पड़ा जबकि 11 मैच ड्रॉ पर रहे हैं। विराट से अगर तुलना की जाए तो धोनी इस मामले में दूसरे स्थान हैं। धोनी ने भारत के लिए 60 मैचों में कप्तानी की जिसमें 27 में टीम को जीत मिली। वहीं सौरव गांगुली ने 49 मैचों में कप्तानी और भारत 21 मैचों में उन्होंने जीत दिलाई। इस तरह अगर कप्तानी की बात की जाए तो यहां कोहली सबसे आगे हैं। सिर्फ टीम को जीत दिलाने के मामले में ही नहीं उन्होंने कप्तानी करते हुए जमकर रन भी बनाए हैं। कोहली दुनिया के इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने कप्तान के तौर पर टेस्ट में सबसे अधिक 7 बार 200 या इससे अधिक की पारी खेली है। इस मामले में ब्रायन लारा दूसरे स्थान पर हैं जिन्होंने पांच बार ये कारनामा किया है। टेस्ट में सबको पछाड़ने के बाद एकदिवसीय में विराट कोहली किसी कम नहीं हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में विराट कोहली ने भारत के लिए कुल 95 मैचों में कप्तानी की। इस दौरान टीम इंडिया ने कुल 65 मैचों में जीत हासिल की। वनडे में उनकी कप्तानी में टीम इंडिया के जीतने का प्रतिशत 70.43 का रहा। हालांकि उनसे आगे महेंद्र सिंह धोनी ने 110, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 90 और सौरव गांगुली ने 76 एकदिवसीय मैच अपनी कप्तानी टीम इंडिया को जीताएं हैं। टेस्ट एकदिवसीय के अलावा टी20 फॉर्मेट में भी विराट कोहली एक शानदार कप्तान रहे हैं। टी20 फॉर्मेट में उन्होंने 2016 में कप्तानी संभाली थी। इसके बाद से लेकर 50 मैचों में टीम इंडिया की अगुवाई की। इस दौरान भारत को कुल 32 मैचों में जीत मिली जबकि 16 मैच हारे। वहीं दो मैच का परिणाम नहीं निकल सका। इस मामले वह केवल धोनी से ही पीछे हैं।

तीसरे टेस्ट में विराट बना सकते हैं तीन रिकार्ड

मुम्बई ।(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंदौर में एक मार्च से मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हो रहे तीसरे टेस्ट में तीन नये रिकार्ड बना सकते हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम पहले दो मैच जीतने के साथ ही 2-0 से आगे है पर पहले दोनो ही मैचों में विराट रन नहीं बना पाये हैं। ऐमें में अब विराट का लक्ष्य इस मैचम में बड़ी पारी खेलना रहेगा। विराट की नजरें इस मैच में ती उपलब्धियां हासिल करने पर रहेंगी। पूर्व भारतीय कप्तान विराट इस मैच में शतक लगा देते हैं तो वह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज हाशिम अमला का एक रिकार्ड तोड़ देंगे। अमला के नाम सबसे कम मैचों में 28 शतक पूरे करने का रिकार्ड है। कोहली के नाम अभी तक 27 टेस्ट शतक हैं जबकि अमला ने अपने टेस्ट करियर में कुल 28 शतक लगाये हैं। उन्होंने 109वें मैच में ये शतक पूरे किये हैं। विराट अगर इंदौर में शतक शतक लगा देते हैं तो वह शतकों के मामले में अमला की बराबरी पर आने के साथ ही सबसे कम मैचों में 28 शतक भी पूरे कर लेंगे। कोहली ने अभी तक 106 मैचों में 27 शतक लगाये हैं। इसके अलावा कोहली के पास टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज डेविड गोवर को पछाड़ने का भी अच्छा अवसर है। विराट ने अभी तक 48.49 की औसत से 8195 रन बनाये हैं। वहीं गोवर के 8231 रन हैं। अब उन्हें गोवर को पीछे छोड़ने के लिए केवल 37 रनों की ही जरूरत है। इसके अलावा कोहली शतकों के मामले में भी गोवर से आगे निकल सकते हैं।

गोवर के नाम 27 शतक दर्ज हैं।कोहली चौके और छक्कों के मामले में भी कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने के करीब है। टेस्ट में सबसे ज्यादा चौके और छक्के के मामले में वह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन को पीछे छोड़ सकते हैं। कोहली के नाम 922 चौके हैं वहीं कर्स्टन के नाम भी इतने ही दर्ज है। अब एक चौका लगाते ही कोहली उनसे आगे निकल जाएंगे।

क्रेजीकोवा ने दुबई ओपन जीता , स्वियातेक हारीं

दुबई । बारबोरा क्रेजीकोवा ने दुबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप जीत ली है। खिताबी मुकाबले में क्रेजीकोवा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 6-4, 6-2 हराया। क्रेजीकोवा ने इस टूर्नामेंट में तीन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हराया है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जेसिका पेगुला, सेमीफाइनल में आर्यना सबलेंका और फाइनल में पोलैंड की स्वियातेक को हराया। क्रेजीकोवा ने दूसरे दौर में रैंकिंग में आठवें स्थान पर कायम डारिया कसात्किना को भी पराजित किया था। इसी के साथ ही क्रेजीकोवा ओपन युग में एक ही टूर्नामेंट में विश्व की शीर्ष तीन खिलाड़ियों को हराने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बनी हैं। इस पूर्व चैम्पियन ने खिताब जीतने के बाद कहा, ''यह एक बड़ी उपलब्धि है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। जिससमें मैं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भी मुकाबला कर सकती हूं। उन्होंने इससे पहले ओस्ट्रावा ओपन में भी स्वियातेका को हराया था।

तीसरे टेस्ट में बदलावों के साथ उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम , स्मिथ करेंगे कप्तानी

मुम्बई ।(एजेंसी)

भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2-0 से पीछे चल रही मेहमान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम एक मार्च से भारत के खिलाफ होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैचों में तकरीबन तीन बदलावों के साथ उतरेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम अभी 2-0 से आगे हैं। ऐसे में मेहमान टीम के लिए यह मैच बेहद अहम है। इसमें हार का मतलब होग सीरीज गंवा देना। ऐसे में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस निजी कारणों से स्वदेश लौट गये हैं। टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर दूसरे टेस्ट में चोटिल हो गए थे। उनकी कोहनी में फ्रेक्चर है। इस कारण वह दूसरे टेस्ट में भी पहली पारी के बाद नहीं खेल पाये थे। ऐसे में ट्रेविस हेड पारी शुरु कर सकते हैं। हेड ने दूसरे टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाये थे। इसके अलावा टीम में ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की भी वापसी होगी। तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज कमिंस की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क या लांस मारिस में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है। स्टार्क के पास अनुभव अधिक इसलिए उन्हें शामिल करने की संभावनाएं ज्यादा हैं। मारिस भी हालांकि 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं ऐसे में

उन्हें भी डेब्यू का अवसर मिल सकता है।

इंदौर की पिच से स्पिनरों को सहायता मिलती है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी बल्लेबाजी को भी बेहतर करना चाहेगी। भारतीय टीम के स्पिनरों रवींद्र जडेजा, आर अश्विन और अक्षर पटेल के सामने मेहमान गेंदबाजों की परीक्षा होगी। दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में ट्रेविस हेड ने तेज शुरुआत की थी थी। ऐसे में टीम उनसे इस बार भी अच्छी शुरुआत चाहेगी।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रिय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में छाए जिला कांगड़ा के खिलाड़ी

ज्वालामुखी । राष्ट्रीय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जिला कांगड़ा के शतरंज खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार बढ़ता ही जा रहा है।इसके लिए जिला शतरंज संघ के पदाधिकारी ने प्रशंसा व्यक्त की है है। संगरूर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय अमैच्योर शतरंज प्रतियोगिता में अर्णव रजनीश शर्मा का शानदार प्रदर्शन रहा।इस प्रतियोगिता में उसमे 1700 से कम रेटिंग की प्रतियोगिता में पूरे भारत वर्ष से आए 172 खिलाड़ियों में 15 बा स्थान हासिल करके अपने प्रदेश हिमाचल और जिला कांगड़ा का नाम रोशन किया। वही दूसरी तरफ राष्ट्रीय स्तरीय रैपिड चैस टूर्नामेंट में 12 वर्षीय केशव सूद का प्रदर्शन भी शानदार रहा।ये प्रतियोगिता जम्मू में आयोजित की गई। उसने इस टूर्नामेंट में 6 अंक लेकर सबको चौंका दिया। उसने अपनी रेटिंग में 208अंको का सुधार किया। जिला शतरंज संघ कांगड़ा के प्रधान कुलवंत राणा,मुख्य सलाहकार परवीन शर्मा, सचिव जगदीश चंदेल , वित्त सचिव सतविंदर मान ने इन खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

हरमनप्रीत और प्रयास करती तो रन आउट से बच जातीं : हीली

केपटाउन । ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा हीली ने भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की आलोचना करते हुए कहा है कि अगर वह और प्रयास करतीं तो रन आउट से बच सकती थीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत क्रीज पर पहुंचने ही वाली थी कि बल्ला जमीन में फंस गया जिसके बाद हीली ने उन्हें रन आउट कर दिया। इस फैसले पर हरमनप्रीत हताश नजर आयीं। इससे मैच भी भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। एलिसा ने कहा, हरमनप्रीत वह सब कुछ कह सकती है किय यह दुर्भाग्यपूर्ण था पर दिन के अंत में वह वापस चली गई और शायद क्रीज से आगे निकल सकती थी। एक अतिरिक्त दो मीटर अगर वह वास्तव में प्रयास करती है। उन्होंने कहा, आप कह सकते हैं कि आप अपने पूरे जीवन में बदकिस्मत थे, लेकिन यह आम तौर पर उस समय के प्रयास के बारे में है, और यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम विशेष रूप से क्षेत्र में बोलते हैं, उस प्रयास में और उस ऊर्जा को विपक्ष की तुलना में बेहतर बनाने में और इस तरह आप बड़े टूर्नामेंट जीतते हैं।

जर्मनी के चांसलर शोल्ज बेंगलुरु स्टेडियम पहुंचे, RCB खिलाड़ियों के साथ बिताया समय

बेंगलुरु (एजेंसी)

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने रविवार को यहां एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की पुरुष और महिला टीम से मुलाकात की। शोल्ज ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), आरसीबी की पुरुष और महिला टीम के सदस्यों के अधिकारियों से करीब 15 मिनट तक बात की। जर्मन दूतावास के एक अधिकारी ने कहा कि चांसलर यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि जब खेल की बात आती है तो क्रिकेट को लेकर भारत में सबसे ज्यादा जुनून क्यों है। उन्होंने कहा कि जर्मनी में क्रिकेट इतना लोकप्रिय नहीं है। जर्मनी में हालांकि दो लाख से अधिक भारतीय वहां इस खेल को लोकप्रिय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि शोल्ज खेल के बारे में जानने के साथ भारत के लिए क्रिकेट के क्या मायने है यह समझाना

चाहते थे। उन्होंने कहा कि वह इसके अलावा यह समझना चाहते थे कि आरसीबी की पुरुष और महिला टीम शहर के लिए क्या मायने रखती है। वह विशेष रूप से आरसीबी महिला टीम के बारे में जानना चाह रहे थे जो महिला प्रीमियर लीग के पहले सत्र में भाग लेगी।

बाबा महाकाल के दर्शनों के लिए पहुंचे राहुल और आथिया

उज्जैन । पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने पत्नी आथिया शेट्टी के साथ बाबा महाकाल के दर्शन किये हैं। राहुल ने अपनी पत्नी आथिया शेट्टी के साथ उज्जैन के महाकालेश्वर में पूजा अर्चना की। राहुल और अथिया भस्म आरती में भी शामिल हुए। भारतीय टीम को एक मार्च से इंदौर के होल्कर स्टेडिमयम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट खेलना है। उसी कारण टीम इंदौर पहुंची है। ऐसे में मैच से पहले खराब फॉर्म से गुजर रहे राहुल बाबा के दरबार में पहुंचे। यह टेस्ट राहुल के लिए बेहद अहम है। अगर वह इसमें असफल रहे तो उनकी टीम में जगह जाना तया है। राहुल ओर अथिया की शादी इस साल की शुरुआत में हुई थी। वहीं राहुल के ससुर और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने कहा कि राहुल से उनकी पहली मुलाकात साल 2019 में एक एयरपोर्ट पर हुई थी। तब वह इस बात से खुश थे कि राहुल उन्हीं के शहर से हैं। सुनील शेट्टी राहुल के खेल के प्रशंसक रहे हैं।

हरभजन ने अर्शदीप को बताया सुपरस्टार

नई दिल्ली । भारतीय टीम में तीन युवा तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज और शिवम मावी को लेकर पूर्व क्रिकेटरों वीरेन्द्र सहवाग, इरफान पठान व हरभजन सिंह के बीच हुई बातचीत के दौरान हरभजन ने कहा कि भारत का अगला सुपरस्टार गेंदबाज अर्शदीप बनेगा। हरभजन ने कहा, मेरे लिए सुपरस्टार अर्शदीप हैं, आज का अर्शदीप और पांच साल बाद का अर्शदीप। हरभजन अपनी बात पूरी करने ही वाले थे कि बीच में सहवाग ने कहा, पंजाब के अलावा भी खिलाड़ी हैं। सहवाग के इस मजाक का जवाब देते हुए फिर हरभजन ने कहा, पंजाब के अलावा भी खिलाड़ी हैं, लेकिन यहां बात प्रतिभा की हो रही हैं तो उनमें वो प्रतिभा हैं। वहीं, इरफान भी इस चर्चा में शामिल थे। उन्होंने अपने अगले सुपरस्टार पर कहा कि मेरे लिए 150 की गति से गेंदबाजी करने वाले उमरान मलिक हैं।

क्रिकेटर शार्दुल आज मिताली संग शादी के बंधन में बंधेंगे

मुम्बई ।(एजेंसी)

लोकेश राहुल और अक्षर पटेल के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी शादी के बंधन में बंधने जा हरे हैं। शार्दुल की शादी 27 फरवरी को मंगेतर मिताली पारुलकर से होगी। इन दोनो की सगाई साल 2021 में हुई थी। तब मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक भव्य समारोह हुआ था, जिसमें उनके करीबी दोस्त व परिवार शामिल हुआ था। शार्दुल की दुल्हन मिताली एक बिजनेसवुमन हैं। वह द बेक्स की संस्थापक हैं, इसके साथ ही वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिकय रहती हैं। मिताली ने मॉडलिंग भी की है। इंस्टाग्राम पर उनके 5 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। फरवरी 2020 में मिताली ने अपनी खुद की बेकरी कंपनी शुरू की थी, जिसका नाम ऑल द जैज़- लग्जरी बेकर्स है। गौरतलब है कि शार्दुल ने ऑलराउंडर के तौर पर गेंद ओर बल्ले से अपनी अलग पहचान बनायी है। आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से इस क्रिकेटर ने सभी का ध्यान खींचा था। शार्दुल ने भारतीय टीम की ओर से तीनों प्रारूपों में खेला है। 30 साल के शार्दुल ने अब तक 4 टेस्ट, 15 एकदिवसीय और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

मेदवेदेव ने कतर ओपन जीता

दोहा । रुसी टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ने ब्रिटेन के एंडी मर्रे को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर कतर ओपन खिताब जीत लिया है। मेदवेदेव ने शुरूआती सेट में 4-1 और दूसरे सेट में 3-1 की बढ़त के साथ बढ़त बना ली जिसके बाद मर्रे ने भी वापसी के लिए पूरा जोर लगाया पर वह सफल नहीं हो पाये। मेदवेदेव ने पिछले सप्ताह रॉटरडैम में भी जीत हासिल की थी जिससे उनकी जीत का सिलसिला लगातार नौवें मैच में जारी रहा। मर्रे का दोहा में यह रिकॉर्ड पांचवां फाइनल मुकाबला था।

रियो में होगा अलकराज और नॉरी का मुकाबला

वहीं रियो ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज और कैमरून नॉरी ने सेमीफाइनल में अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। अब इन दोनो का मुकाबला फाइनल में होगा। इससे पहले 20 फरवरी को इन दोनों का सामना अर्जेंटीना ओपन में हुआ था। इसमें स्पेन के अलकराज ने नॉरी को हराया था। अलकराज ने निकोलस जैरी को 6-7 (2), 7-5, 6-0 से हराकर फाइनल में जगह बनायी थी। वहीं नॉरी ने लगभग ढाई घंटे तक चले मुकाबले में बर्नबे जपाटा मिरालेस को 6-2, 3-6, 7-6 (3) से हराया था। नॉरी इस साल का तीसरा फाइनल मुकाबला खेलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कच्छ में 14.23 करोड़ के खर्च से नवनिर्मित 81 ग्राम पंचायत भवनों का किया ई-लोकार्पण

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में छोटे से छोटे गांव तक आधुनिक सुविधायुक्त ढांचागत सुविधाएं पहुंचाने की राज्य सरकार की मंशा व्यक्त की है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सुशासन की परिपाटी विकसित करने के लिए दी गई 'आत्मा गांव की, सुविधा शहर की' की अवधारणा को हमें साकार करना है। यह बात उन्होंने गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कच्छ जिले की 81 ग्राम पंचायतों के नवीनीकृत पंचायत भवनों का ई-लोकार्पण और नई आकार लेने वाली 43 आंगनबाड़ियों का ई-शिलान्यास करते हुए कही। इन पंचायत भवनों का निर्माण 14.23 करोड़ रुपए की कुल लागत से हुआ है। इसके साथ ही 3.5 करोड़ रुपए के खर्च से 43 आंगनबाड़ियां बनाई जाएंगी। इतना ही नहीं, कच्छ जिले में स्वच्छ भारत मिशन को चरितार्थ करने वाले 23 गांवों में 46 लाख रुपए के खर्च से ई-रिक्शा भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदूर ग्रामीण इलाके के लोगों को भी स्थानीय स्तर पर सरकारी योजनाओं का लाभ मुहैया कराने के लिए 14,000 से अधिक गांवों में ई-ग्राम केंद्रों की स्थापना की गई है। ग्राम पंचायतों में डिजिटल माध्यम से आय प्रमाण पत्र और राशन कार्ड में संशोधन या नाम जोड़ने जैसी 321 महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब विकास कार्यों के आयोजनों में 'बॉटम टू टॉप' को महत्व दिया जाता है और बुनियादी इकाई का पहले विचार किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत भवनों के नवीनीकरण, अभिलेख आधुनिकीकरण और टेक्नोलॉजी के अधिकतम उपयोग के लिए राज्य सरकार के इस वर्ष के बजट में पंचायत विभाग के लिए 11,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि केवल एक साल के भीतर कच्छ में निर्मित 81 ग्राम पंचायतों के नए भवन से प्रधानमंत्री के कार्य मंत्र 'जो कहना, वो करना' को साकार किया है।

विधायक प्रद्युमन सिंह जाडेजा ने इन विकासोन्मुखी कार्यों से कच्छ जिले की विकास गाथा को मिलने वाली गति और ग्रामीण जनता को सुलभ होने वाली और अधिक सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पारुलबेन कारा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कच्छ जिले के विधायक, जिला कलक्टर, जिला विकास अधिकारी और पदाधिकारियों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से लूट की वारदात टली, हथियारों के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद । शहर में ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से लूट की बड़ी वारदात टल गई। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी को पिस्तौल, तीन देशी कट्टों और 13 कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया। साथ ही फरार अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पिछले 15 दिनों से आरोपी लूट की बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे और उसके रेकी भी कर ली थी। दरअसल अहमदाबाद में ट्रैफिक पुलिस के जवान संदिग्ध गाड़ी की तलाश कर रहे थे, उस वक्त इमरान शेख नामक शख्स को पकड़ लिया। इमरान के पास से 1 पिस्तौल, 2 देशी तमंचा और 13 कारतूस बरामद हुए। हांलाकि इस दौरान उसके साथ गाड़ी में मौजूद नदीम शेखऔर सोहेल शेख मौके से भाग निकले। पकड़ा गया इमरान शेख पूर्वी अहमदाबाद के रखियाल क्षेत्र में रहता है और उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ का मूल निवासी है। इमरान से पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। इमरान ने बताया कि वह और उसके साथियों ने ध्रांगध्रा और अहमदाबाद में आंगडिया फर्म को लूटने की साजिश रची थी और इसके लिए 15 दिनों में 3 जगहों की रेकी भी की थी। क्राइम ब्रांच ने इमरान के फरार साथियों की तलाश शुरू की है।

खिलाफ सात लाख की फिरौती मांगने के मामले में महिधरपूरा पुलिस द्वारा चार्जशीट पेश की गई

सूरत।

व्यापारी के निर्माण काम को अवैध बताकर व्यवसाई से सात लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले में आरोपी तथाकथित समाजसेवी जहरा साइकिलवाला को महिधरपूरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था हालांकि गिरफ्तारी के बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पार्ले पॉइंट स्थित पार्ले पॉइंट पैलेस निवासी व्यापारी वहीद भाई कछवाला की झापा बाजार सैफी मोहल्ला स्थित जमीन पर उनके और उनके दोस्त द्वारा एक निर्माण कार्य कराया जा रहा था। क्योंकि इस निर्माण कार्य के ऊपरी हिस्से में थोड़ी सी ज्यादा जगह कवर की थी इसलिए खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताने वाली जहरा साइकिल वाला ने इस बांधकाम को गिराने की धमकी देते हुए कहा कि अगर वह अपने निर्माण कार्य को बचाना चाहते हैं तो उन्हें सात लाख रुपए की फिरौती देनी पड़ेगी।

इस मामले में 13 फरवरी 2023 के दिन दोपहर 1:00 बजे जहरा साइकिल वाला की गिरफ्तारी की गई। जिसके बाद 16 फरवरी 2023 के दिन कोर्ट में उनके खिलाफ चार्ज शीट पेश कर दी गई है। मामले की जांच महिधरपुरा पुलिस द्वारा जारी है।

प्रोटेक्शन वॉल से सुरक्षित हो रहा है वंदे भारत ट्रेन का रूट

अहमदाबाद।

अहमदाबाद से मुंबई के बीच वंदे भारत ट्रेन शुरू हुई तब से आवारा पशुओं की समस्या सबसे बड़ा सिरदर्द बन गया था। ऐसी घटनाओं से रोकने के लिए रेल प्रशासन वंदे भारत ट्रेन के ट्रेक को सुरक्षित करने के लिए प्रोटेक्शन वॉल बना रहा है। अहमदाबाद से मुंबई की ओर जाने वाले वंदे भारत ट्रेन के रूट पर प्रोटेक्शन वॉल लगाई जा रही है। इस वॉल के कारण आवारा पशु ट्रेक पर नहीं जा पाएंगे। इसके अंतर्गत अब तक अहमदाबाद से वडोदरा तक प्रोटेक्शन वॉल का काम पूरा भी हो चुका है। वडोदरा से आगे प्रोटेक्शन वॉल लगाने की कार्यवाही चल रही है। यह प्रोटेक्शन वॉल लोहे की और ऊंची है। प्रोटेक्शन वॉल के लगने से कोई भी आवारा पशु रेलवे ट्रेक तक नहीं पहुंच पाएगा और ट्रेन में सवार यात्री भी सुरक्षित रहेंगे। गौरतलब है कि 30 सितंबर 2022 को अहमदाबाद से मुंबई के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू हुई थी। जिसके बाद से अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। और यह दुर्घटनाएं पशुओं के टकराने की वजह से हुई। 6 अक्टूबर को गांधीनगर से मुंबई के लिए जा रही वंदे भारत ट्रेन के साथ पहली दुर्घटना अहमदाबाद के वटवा रेलवे स्टेशन के निकट हुई थी। । अक्टूबर को आणंद स्टेशन पर एक गाय ट्रेन से टकराई गई थी। ट्रेक पर गाय को देखते हुए ड्राइवर ने स्पीड कंट्रोल करने का प्रयास किया था, लेकिन गाय काफी निकट होने की वजह से वह ट्रेन से टकरा गई। 8 अक्टूबर को आणंद और बोरियावी कणजरी के बीच एक गाय ट्रेन से टकरा गई थी। 29 अक्टूबर को वलसाड के निकट वंदे भारत ट्रेन के साथ दुर्घटना हुई थी। 8 नवंबर को आणंद में वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई थी। यह घटना आणंद के भालेज ऑवरब्रिज के निकट हुई थी। 1 दिसंबर को वलसाड के संजाण और उदवाडा के बीच दुर्घटना हुई थी। वंदे भारत ट्रेन के साथ लगातार हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अब प्रोटेक्शन वॉल बनाई जा रही है। फिलहाल प्रोटेक्शन वॉल अहमदाबाद से वडोदरा तक बन चुकी है और आगे के रूट पर काम चल रहा है।

राजस्थान युवा संघ ट्रस्ट सूरत द्वारा फागोत्सव - 2023 का आयोजन

रविवार को सुबह 10 बजे फागोत्सव 2023 के होलाष्टक पूर्व फागोत्सव का डांडारोपण का आयोजन तुलसी पार्टी प्लॉट में किया गया जिसमे बड़ी संख्या में राजस्थान युवा संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूरत भूमि, सूरत। राजस्थान युवा संघ ट्रस्ट सूरत द्वारा फागोत्सव 2023 का आयोजन गोडादरा रोड़ के अवध ऋतुराज मार्केट के पास, तुलसी पार्टी प्लॉट में 4 से 6 मार्च 2023 को रात 8 बजे किया गया है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राजस्थान युवा संघ ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि हर साल के भांति इस वर्ष भी फागोत्सव 2023 मनाया जाएगा। राजस्थानी लोक संस्कृति ,लोक गीतों ,लोक नृत्यों को समर्पित राजस्थान युवा संघ सूरत हर वर्ष की भांति इस वर्ष होली के त्योहार पर फाल्गुनी बाहर में रंगारंग फागोत्सव का सुंदरतम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ।सूरत में बसने वाले केवल राजस्थानी ही नहीं परंतु गुजरात एवं अन्य प्रांतों की संस्कृति प्रेमी इस आयोजन का आनंद लेने हेतु विशाल संख्या में आते हैं। कार्यक्रम में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएगी।

4 मार्च को पणिहारी म्यूजिक ग्रुप जयपुर, नूतन गहलोत एंड रवि बंजारा जोधपुर, 5 को जबरसिंह राजपुरोहित फागोत्सव और 6 मार्च को पद्मश्री अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गुलाबो सपेरा एंड पार्टी, रंगारंग सांस्कृतिक राजस्थानी डांसर एवं हास्य कलाकार विभिन्न मनमोहक रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि फागोत्सव मैं एकत्रित होने वाली सहयोग राशि का उपयोग राजस्थान छायडो सेठ श्री सावलशा स्वास्थ्य केंद्र शक्ति नगर के पास मॉडल टाउन डूभाल सूरत में मुक बधिर लोगों के लिए थेरापी की सुविधा मुहैया की जाएगी।

फागोत्सव में यह होगा आकर्षण

का केंद्र घूमर नृत्य, भवई नृत्य, चरी नृत्य, कालबेलिया नृत्य, मोर नृत्य, बंजारा बंजारी नृत्य, विना नृत्य, चंग नृत्य, लोक नृत्य कॉमेडी एवं ग्रुप नृत्य फागोत्सव में आकर्षण का केंद्र होगा। सीरवी समाज, घाची समाज एवं आंजना पटेल समाज द्वारा प्रतिदिन गैर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी ।सचिव जगदीश शर्मा ने बताया कि आयोजन के मुख्य संचालक विख्यात उधोगपति संजय सरावगी व कैलाश हकीम तथा सह संयोजक श्याम माली और धीरज राजपुरोहित होंगे।

7 मार्च को गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के लिए चलाई जाएगी होली स्पेशल ट्रेन

राजकोट । Holi special train: यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा ओखा (गुजरात) और नाहरलगुन (अरुणाचल प्रदेश) के बीच विशेष किराए पर होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम सुनील कुमार मीना के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09525/09526 ओखा-नाहरलगुन स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09525 ओखा-नाहरलगुन स्पेशल मंगलवार 7 मार्च को 22.00 बजे ओखा से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 16.00 बजे नाहरलगुन पहुंचेंगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09526 नाहरलगुन-ओखा स्पेशल नाहरलगुन से शनिवार 11 मार्च को 10.00 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 03.35 बजे ओखा पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेंद्रनगर, अहमदाबाद, नडियाद, आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बरसोई, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूच बिहार, कोकराझार, न्यू बंगाईगांव, बारपेटा रोड, रंगिया, उदलगुरी, न्यू मिसामारी, रंगापारा नॉर्थ और हरमुती स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे। ट्रेन संख्या 09525 की बुकिंग 26 फरवरी से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

न्यू सिविल अस्पताल में अंगदान करने वाले परिवारों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ

सूरत।

गृह, खेल राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में सिविल अस्पताल और ऑर्गन डोनेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की संयुक्त पहल के तहत अंगदान करने वाले परिवारों के लिए अंगदान सम्मान समारोह का आयोजन सूरत के सभागार में किया गया। नवीन सिविल अस्पताल। जिसमें अंगदान करने वाले 16 परिवारों एवं अंगदान के समय ड्यूटी पर रहे 47 कर्मियों को गृह राज्य मंत्री एवं विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटिल के हाथों सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान सिविल नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने नाटक प्रस्तुत कर अंगदान के महत्व व जागरूकता के बारे में संदेश दिया।

इस मौके पर गृह राज्य मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि होने के नाते सिविल अस्पताल से एक अलग तरह का रिश्ता रहा है, मैंने सिविल अस्पताल के प्रांगण में कई सुखद और दुखद घटनाएं देखी हैं. जबकि सिविल अस्पताल अंगदान की दिशा में आगे बढ़ रहा है और ऐतिहासिक कार्य कर रहा है, जो सराहनीय है।

मंत्री ने ब्रेन डेड रिश्तेदारों के मामले में सिविल अस्पताल की मदद से पिछले छह माह में 18 परिवारों द्वारा अंगों का दान करने का जिक्र करते हुए कहा कि अंगदाता परिवारों की मानव सेवा इतनी कीमती है कि उसका अंदाजा शब्दों में नहीं लगाया जा सकता. ये 18 परिवार ईश्वरीय फरिश्ते हैं जिन्होंने कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दिया है। उनके साहस और मानव सेवा के जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने दुख की घड़ी में भी समय पर, सही और सही निर्णय लेकर अन्य मरीजों के जीवन में रोशनी लाने में अहम भूमिका निभाई है. वे अपने रिश्तेदारों के अंग दान करने के लिए तैयार हैं। मैं राज्य के नागरिक के रूप में इस परिवार को सलाम करता हूं।'

उन्होंने पुलिस विभाग के कर्तव्य की सराहना करते हुए कहा कि दान किए गए अंगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने में हर पल मायने रखता है। जिसमें पूरी सड़क को साफ किया जाता है और अंगों को ले जाने वाले वाहन के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाता है और सभी सिग्नलों को हरा कर दिया जाता है, ताकि कम समय में एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल की दूरी तय की जा सके। उन्होंने ग्रीन कॉरिडोर के लिए स्थानीय अधिकारियों और पुलिस के समन्वय के लिए शहर की पुलिस टीम को भी बधाई दी।

साथ ही श्री संघवी ने 'अंगदान.. महादान..' के नारे को अर्थ देते हुए कहा कि नया सिविल अस्पताल अंगदान जागरूकता के कार्य में अहम योगदान दे रहा है और परिजनों को उचित सलाह व मार्गदर्शन दिया अंगदान के लिए प्रेरित करने वाली सिविल काउंसिलिंग टीम, डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा, चालक, पुलिस विभाग के ब्रेन डेड परिजनों के अहम कर्तव्य व सेवा की सराहना की गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)